जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, शनिवार 29 जून, 2024

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

मोदी की गारंटी
भजनलाल सरकार कर रही साकार

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

युवाओं के लिए खुल रहे अवसरों के द्वार

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव

मुख्य समारोह

29 जून, 2024 I प्रातः 11:00 बजे

टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम, मानसरोवर, जयपुर

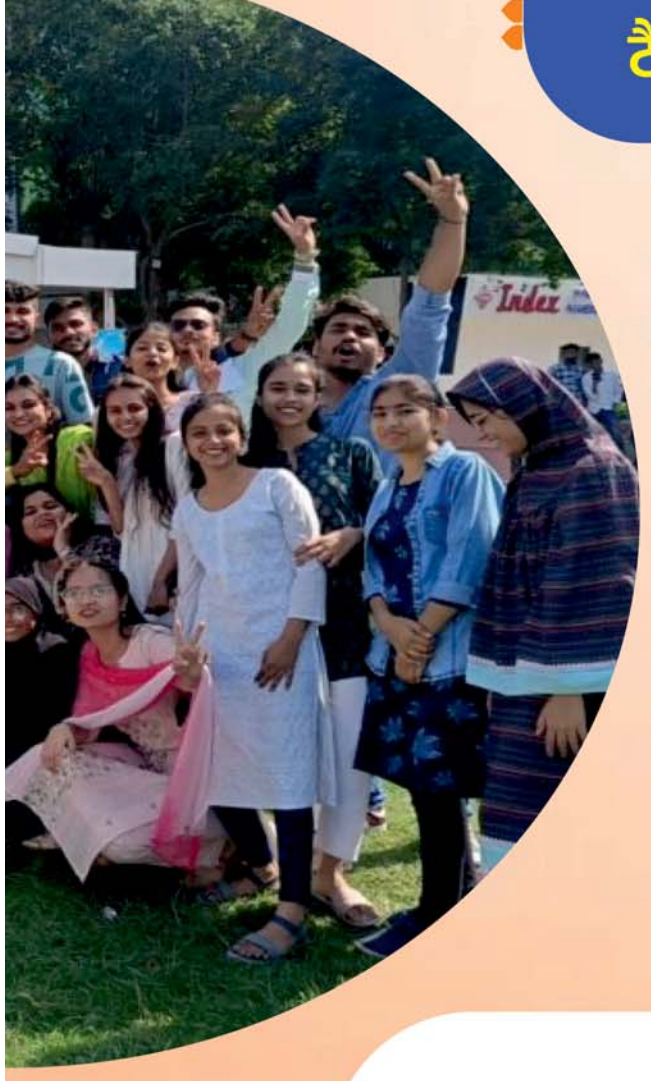

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

अध्यक्षता

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़
माननीय मंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

विशिष्ट अतिथि

श्री मदन दिलावर
माननीय मंत्री,
शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग

श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर
माननीय मंत्री,
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

श्री के.के. विश्नोई
माननीय राज्यमंत्री, कौशल,
नियोजन एवं उद्यमिता विभाग

राज्य एवं जिला स्तरीय रोजगार उत्सवों का निरंतर आयोजन

प्रथम रोजगार उत्सव में **20 हजार** से अधिक नवनियुक्त राज्य कार्मिक शामिल

नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र एवं संवाद कार्यक्रम

"राज्य सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने और उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रही है। पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्ण कर सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरना हमारी मुख्य प्राथमिकता है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार सख्ती से कार्यवाही कर रही है।"

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

यदि किसी को भी भूख-प्यास नहीं लगती, तो अतिथि सत्कार का अवसर कैसे मिलता। –विनोबा

बंजर होने से बचानी होगी कृषि भूमि

उपजाऊपन की दृष्टि से सबसे व्यर्थ जमीन को बंजर भूमि कहा जाता है। मरुस्थलीकरण तेजी से फैल रहा है, मिट्टी की उर्वरता लगातार घटती जा रही है। ऐसे में बंजर भूमि का बढ़ना एक चुनौती बनती जा रही है। भूमि के बंजर होने की समस्या ने आज दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत की बात करें तो यहां उपजाऊ भूमि के बंजर होने का खतरा निरंतर बढ़ता ही जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में मात्र 11 प्रतिशत जमीन ही उपजाऊ है। मरुस्थलीकरण का क्षेत्रफल बढ़ता जा रहा है। भारत में कुल 32 करोड़ 90 लाख हेक्टेयर जमीन में से 12 करोड़ 95 लाख 70 हजार हेक्टेयर भूमि बंजर बताई जा रही है। बंजरपन का रकबा साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है जिसे सख्ती से रोका नहीं गया तो देश में अनाज का संकट खड़ा हो सकता है। कृषि भूमि का मरुस्थलीकरण और बंजर होने का खतरा धीरे-धीरे करीब एक अरब लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बन चुका है। इसी के साथ लाखों तरह की वनस्पति प्रजातियों के भी विलुप्तिकरण का खतरा बन चुका है। खेती पर निर्भर लोग पलायन को मजबूर हैं। अनुमान यह है कि इस सदी के मध्य तक धरती की एक चौथाई मिट्टी बंजर हो चुकी होगी। अभी से इसकी चिंता ना की गई तो, यह संकट बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है।

जलवायु परिवर्तन सहित सूखा, बाढ़,जहरीले कीटनाशकों के तेजी से इस्तेमाल, वनों की कटाई, अधिक चराई, खराब सिंचाई और अत्यधिक जल दोहन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आने से उपजाऊ धरती मरुस्थल का रूप धारण करती जा रही है। विश्व के समक्ष यह एक बड़ी समस्या है जो दिन प्रतिदिन गहराती जा रही है। हमारे लाख प्रयासों के बावजूद मरुस्थल का फैलाव रोका नहीं जा सका है। इस समस्या की जड़ में एक वजह मानवजनित कारणों को बताया जा रहा है।

नीति आयोग के अनुसार भारत में 67.30 लाख हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य भूमि में शर्तिया और लवणता बढ़ने के कारण यह भूमि बंजर हो चुकी है। इस बंजर भूमि में से लगभग 37.70 लाख हेक्टेयर भूमि क्षारीय है। और 29.60 लाख हेक्टेयर भूमि लवणीय है। अभी तक इस बंजर भूमि में लगभग 20 लाख हेक्टेयर क्षारीय भूमि को और लगभग 70 हजार हेक्टेयर लवणीय भूमि को फिर से उपजाउ बनाया जा चुका है। बचे हुए बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने के प्रयास किया जा रहे हैं, लेकिन यह एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। भूमि की गुणवत्ता खराब होने से राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में हर साल आठ प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। भूमि क्षरण और उसके दुष्प्रभावों से मानवता पर मंडराते जलवायु संकट के और गहराने की आशंका है। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा बड़े खतरे हैं जिनसे दुनिया भर में लाखों लोग, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, प्रभावित हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों की महती जरुरत है। मरुस्थल या रेगिस्तान ऐसे भौगोलिक क्षेत्रों को कहा जाता है जहां जलपात (वर्षा तथा हिमपात का योग) अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा काफी कम होती है। मरुस्थलीकरण की परिभाषा के अनुसार यह जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिवधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और निर्जल अर्ध-नम इलाकों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है। इससे जमीन की उत्पादन क्षमता में कमी और ह्रास होता है। एशियाई देशों में मरुस्थलीकरण पर्यावरण सम्बन्धी एक प्रमुख समस्या है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं डूब से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है।

मरुस्थलीकरण शुष्क, अर्द्ध शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भूमि का क्षरण है। मुख्य रूप से, यह मानवीय गतिविधियों और फिर जलवायु परिवर्तन के कारण होता है। इसका मतलब मौजूदा रेगिस्तानों का विस्तार नहीं है, बल्कि यह शुष्क भूमि पारिस्थितिक तंत्र, वनों की कटाई, अधिक चराई, खराब सिंचाई कार्य प्रणाली आदि के कारण होता है जो भूमि की उत्पादकता को प्रभावित करता है।

भारत में कुल भूमि क्षेत्रफल करीब 329 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें खेती करीब 144 मिलियन हेक्टेयर में होती है, जबकि लगभग 178 मिलियन हेक्टेयर भूमि बंजर है। इसे सुधारने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। वहीं असिंचित एवं डूब से प्रभावित जमीन को भी खेती योग्य बनाया जा रहा है। देश में करीब 71 लाख हेक्टेयर भूमि मृदा ऊसर से प्रभावित है। जबकि पूरे विश्व में यह आँकड़ा लगभग 9520 हेक्टेयर के करीब बताया जाता है। जो मृदा ऊसर से प्रभावित है, इसे भी खेती योग्य बनाने की कवायद चल रही है।

आँकड़े बताते हैं कि भारत में वर्ष 1951 में मनुष्य भूमि अनुपात 0.48 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है, जो दुनिया के न्यूनतम अनुपातों में से एक है। वर्ष 2025 में घटकर यह आंकड़ा 0.23 हेक्टेयर होने का अनुमान है। ऐसे में खेती की मृदा संरक्षण के जरिए एक बड़ी चुनौती से निबटा जा सकता है। ऐसे में उपजाऊ मिट्टी की सुरक्षा के साथ ही अनुपजाऊ मिट्टी को भी कृषि योग्य बनाया जा रहा है।

स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) द्वारा मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर बनाये देश के पहले एटलस के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का तकरीबन 30 फीसदी हिस्सा मरुस्थल में तब्दील हो चुका है। इसके अलावा देश के 69 फीसदी हिस्से को शुष्क क्षेत्र के तौर पर वर्गीकृत किया गया है। देश के सामने उपजाऊ भूमि के क्षरण का यह एक बड़ा खतरा है जिसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की महती जरुरत है। देश में बढ़ रहे मरुस्थलीकरण के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले है। बंजरपन बढ़ रहा है और साथ ही मिट्टी का कटाव भी बढ़ रहा है। देश का 30 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण की चपेट में है। तीन मिलियन हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पिछले 15 वर्षों में ख़राब हुई है। देश में प्रति मिनट 23 हेक्टेयर शुष्क भूमि सूखे और मरुस्थलीकरण की चपेट में आ जाती है जिसकी वजह से 20 मिलियन टन अनाज का संभावित उत्पादन प्रभावित होता है। देश का 70 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र शुष्क भूमि के रूप में है जबकि 30 प्रतिशत जमीन भूक्षरण और 30 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया से गुजरती है। भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ शुरू की गई हैं जैसे प्रधानमंत्री आवास बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रति बूंद अधिक फसल, आदि। ये सब भूमि क्षरण को कम करने में मदद कर रहे हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

पानी में मीन पियासी रे!

डॉ. रामावतार शर्मा

संयुक्त राज्य अमेरिका को विश्व का सबसे धनी देश माना जाता है। अमेरिका जाना और वहां जा कर अपना भाग्य चमकाना कितने ही लोगों का सपना है। परंतु कितने लोग हैं जो अमेरिका को तथ्यों पर परखने का प्रयास करते हैं? अभी इसी महीने अमेरिका की प्रसिद्ध पत्रिका टाइम में वहां के एक राज्य केण्टुकी के ग्रामीण इलाकों के बारे में लेख लिखा गया है जो एकदम चौंकाने वाला है। खास बात यह है कि यह लेख वहां की गोरी आबादी के बारे में लिखा गया है। लेख के अनुसार केण्टुकी के ग्रामीण अंचल का जीवन बड़ा कष्टपूर्ण है। इस राज्य की अधिकतर आबादी नशीली दवाओं, हिंसा, पुलिस कस्टडी आदि के चक्र में अपना जीवन बिताती नजर आती है। लेख में एक युवक ने अपने जीवन में इस तरह के वातावरण के कुप्रभावों का जिक्र किया है। 2024 में प्रकाशित एक अमेरिकी पुस्तक 'व्हाइट रूरल रेज' के अनुसार ग्रामीण अमेरिका वृहद अमेरिका के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि ये असफल एवम मानसिक तौर पर अस्थिर लोग अतिवादी होते हैं और धुर दक्षिण पंथ की तरफ अग्रसर हो कर हिंसा फैलाते हैं। यहां लेखकों द्वारा लोगों को दोषारोपित करना उचित नहीं लगता क्योंकि लोग तो तंत्र के प्रभाव से सार्थक या निरर्थक जीवन की तरफ अग्रसर होते हैं।

इसके विपरीत यदि तथाकथित वामपंथी रूस की तरफ जाएं तो बोल्शेविक क्रांति ने आम नागरिक के जीवन को उठाने की बजाय अति धनी तथा प्रभावशाली ओलिगार्क प्रणाली को जन्म दिया जिसने आज के रूस को पूरी तरह से नियंत्रित कर रखा है। ये ओलिगार्क्स प्राचीन रूसी जार से भी अधिक एश-ओ-आराम का जीवन जी रहे हैं। एक अन्य उदाहरण में 1932-33 के यूक्रेनियन होलोडोमोर का है जो अत्याचारी स्टालिन के मनुष्य निर्मित महा अकाल के रूप में जाना जाता है। सामूहिक खेती के नाम पर सरकारी तंत्र ने मूर्खतापूर्ण तथा दमनकारी निर्णय ले कर यूरोप के इस अन्न भंडार माने जाने वाले क्षेत्र में ऐसी स्थिति पैदा कर दी थी जिसके फलस्वरूप लाखों लोग भूख से मर गए थे। आज फिर यूक्रेन का रूस से युद्ध जारी है। कई पश्चिमी विचारकों का मानना है कि युद्ध बंद होने के बाद रूस के ओलिगार्क्स की तरह यूक्रेन में भी यूरोपियन धन्नासेठ वहां के खेत खलिहानों पर कब्जा कर लेंगे और लोगों का जीवन कष्टदायक ही बना रहेगा।

इधर भारत में भी राष्ट्रीय संपदा गिने चुने औद्योगिक घरानों के हाथों में सिमटती जा रही है और स्थितियां इस तरह की बन रही हैं जहां छोटे एवम् मझोले उद्यमियों का टिका रह पाना कठिन होता जा रहा है। विश्व में हो रहे परिवर्तनों को हम नकार रहे हैं या फिर अनदेखा कर रहे हैं। इस नीति के परिणाम भविष्य में देखने पड़ सकते हैं परंतु तब तक बड़ा नुकसान हो चुका होगा। इतिहास इंगित करता है कि यदि 1940 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने हिटलर के शांति प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया होता तो न तो लाखों यहूदी मारे जाते, न आज का इजरायल अरब संघर्ष जन्म लेता और ना ही ब्रिटिश साम्राज्य का इतना शीघ्र पतन होता। वास्तविकता को नकारना, अनदेखा करना इसलिए विकसित होता है क्योंकि सरकार और वृहद समाज के बीच कोई संपर्क नहीं होता है। चंद जाति, नस्ल, स्थान एवम् धर्म विशेष के लोगों को सरकार या संगठन में स्थान देकर मान लिया जाता है कि सबकुछ ठीक हो जायेगा परंतु वास्तविकता में ऐसा होता नहीं है।

संचार क्रांति से देश दुनिया के विभिन्न लोग एक दूसरे के संपर्क में आने लगे हैं। ऐसे माहौल में बरगलाने और ध्यान भटकाने वाली नीतियों से अल्पकालीन फायदे तो हो सकता हैं परंतु दीर्घकाल में बिखराव की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। वृहद जनमानस समय-समय पर निरंकुशता के फन को कुचलता रहा है, शासक के दंभ अहंकार पर प्रहार करता रहा है परंतु अतिवादी दृष्टिकोण की अपनी शक्ति होती है जो किन्ही विशिष्ट परिस्थितियों में प्रचंड हो सकती है और जनतांत्रिक ताने बाने को नष्ट कर सकती। इसलिए बेहतर होगा कि देश की सरकार में बैठे लोगों का प्रथम उद्देश्य सत्ता में बने रहना मात्र नहीं होना चाहिए बल्कि लगातार बदलती स्थितियों को समझने के लिए व्यापक जनसंपर्क द्वारा लोगों की आवश्यकताओं और भावनाओं का विश्लेषण कर नीतियां निर्मित करनी चाहिए। शासन करना एक जटिल कार्य है इसलिए सत्ता के शिखर पर बैठे लोगों को बड़ी आलोचना सुनने के लिए अपने मानस पटल को खुला रखना चाहिए। जाति और धर्म के सहारे सत्ता में आए लोगों की सार्थक आलोचना भी एक खतरनाक कार्य होता है इसलिए आलोचक चुप हो जाते हैं। शासक भूल जाता है कि आलोचक ही वास्तविक मित्र होता है जबकि समर्थक तो लकीर के फकीर होते हैं जिनसे वोट तो मिलते हैं परंतु उनसे किसी मार्गदर्शन की आशा नहीं की जा सकती है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

भारतीय साहित्य का अनुवाद चुनौतीपूर्ण : प्रो. ज्यांग जिंग खुई

हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा काव्यानुवाद की चुनौतियां विषय पर व्याख्यान आयोजित

दिल्ली। हिन्दू कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा "काव्यानुवाद की चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। भारत का साहित्य अत्यंत विपुल और वैविध्यपूर्ण है, उसका चीनी भाषा में अनुवाद किसी चुनौती से कम नहीं है। सूरसागर, गोदान तथा शेखर एक जीवनी जैसी कृतियों का चीनी में अनुवाद करने वाले प्रसिद्ध विद्वान प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने कहा कि भारत और चीन भले ही पड़ोसी मुल्क हैं किंतु उनकी संस्कृति और सभ्यता में बुनियादी फर्क है।

उदाहरण देते हुए प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने कहा कि चीन के लोग भगवान पर नहीं बल्कि खुद पर, अपने माता-पिता और अन्य लोगों पर ज्यादा भरोसा रखते हैं। भक्तिकालीन साहित्य के अनुवाद करने में यह बुनियादी फ़र्क़ बड़ा प्रभावशाली हो जाता है, क्योंकि इस साहित्य को चीनी लोकमानस के अनुसार अनुवादित करना आसान नहीं होता। प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने हिंदू महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में काव्यानुवाद की चुनौतियाँ विषय पर बोलते हुए चीन में भारतीय साहित्य के अनुवाद की लम्बी परंपरा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जू फैनचेंग, ची श्यैनलिन, जिन केमू, लियू अनवु, जिन डिंगहान, हुआंग बाओशेंग और शुए ख छिओ जैसे मूर्धन्य विद्वानों ने चीनी भाषा में उपनिषद, नाट्यशास्त्र, वाल्मीकि रामायण, भगवत् गीता से लेकर कालिदास की अनेक रचनाओं तक के अनुवाद में अपना जीवन समर्पित किया है। बीजिंग विश्वविद्यालय में हिन्दी के आचार्य प्रो. खुई ने कहा कि 2024 वह साल है जब चीन महान कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर की चीन यात्रा की शताब्दी मना रहा है और उनके साहित्य तथा अवदान को श्रद्धा के साथ याद कर रहा है।

- **'भारत और चीन भले ही पड़ोसी मुल्क हैं किंतु उनकी संस्कृति और सभ्यता में बुनियादी फर्क है'**
- **प्रसिद्ध विद्वान प्रो. ज्यांग जिंग खुई ने सूरसागर, गोदान तथा शेखर एक जीवनी जैसी कृतियों का चीनी में अनुवाद किया है**
- **नयी वैश्विक परिस्थितियों में अनुवाद अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधि बन गया है, जो विभिन्न देशों के लोगों को आपसे में जोड़ने का काम करता है : प्रो.अनिल राय**

प्रो. ज्यांग ने काव्यानुवाद की चुनौतियों पर कहा कि पंक्तियों की ध्वन्यात्मकता,लयात्मकता, पंक्तियों के बीच का मौन, शब्द, प्रतीक एवं सबसे ज्यादा भावों के अनुवाद में समस्या आती है। उन्होंने नायिका के सौंदर्य का चीनी भाषा में अनुवाद के समय की अपनी चुनौतियों को साझा करते हुए बताया कि चीनी सभ्यता के लोग किसी स्त्री के बालों को सर्प और आंखों को कमल के फूल की उपमा नहीं समझ पाते हैं। ऐसे में अनुवादक के समक्ष चुनौती प्रस्तुत होती है, क्योंकि चीन के लोगों की आंखें ही प्राकृतिक रूप से प्राय: छोटी होती हैं। अनुवाद की मौलिकता पर केंद्रित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रो. जियांग ने कहा कि अनुवाद एक स्वतंत्र, मौलिक एवं रचनात्मक इकाई के रूप में होती है जिसमें अनुवादक अपने भावों और विचारों के अनुरूप ही अनुवाद करता है।

इससे पहले महाविद्यालय परिसर में पहुंचने पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अंजू श्रीवास्तव ने प्रो. ज्यांग जिंग खुई का स्वागत करते हुए कहा कि हिन्दू कॉलेज की पुरानी और समृद्ध परम्परा में भारतीय उपमहाद्वीप तथा एशिया के अनेक देशों के विद्यार्थी जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रो. खुई की यह यात्रा इस सम्बन्ध में और अधिक उपादेय होगी जब दोनों देशों के विद्यार्थियों में सांस्कृतिक अध्ययन की गति तेज होगी। आयोजन के विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. अनिल राय ने प्रो. खुई के साथ व्यतीत अपने चीन प्रवास को याद करते हुए अविस्मरणीय अनुभव बताया।

प्रो. अनिल राय ने कहा कि नयी वैश्विक परिस्थितियों में अनुवाद अत्यंत महत्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधि बन गया है जो विभिन्न देशों के लोगों को आपसे में जोड़ने का काम करता है। हिन्दी विभाग की प्रभारी प्रो. रचना सिंह ने प्रो. खुई तथा उनके शिष्य हे यांग का स्वागत किया। प्रो. सिंह ने हिंदी विभाग द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी प्रो. खुई को दी। विभाग के विद्यार्थियों दिव्यांश प्रताप सिंह तथा मोहित कुमार ने प्रो. खुई को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका इंद्रप्रस्थ तथा विभाग की हस्तलिखित पत्रिका हस्ताक्षर के ताज़ा अंक भेंट किये।

हिंदू महाविद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक प्रो. रामेश्वर राय ने कहा कि चीन से तकनीक तथा विज्ञान के साथ साहित्य के क्षेत्र में भी प्रेरणा ली जानी चाहिए जहाँ अनुवाद की ऐसी शानदार परम्परा बन गई है। प्रो. राय ने कहा कि प्राकृतिक उपमाएं अनुवाद में भले ही बड़ी चुनौती हों किंतु भारतीय संस्कृति में सौंदर्य को हमेशा से ही प्रकृति से अभिन्न माना गया है और देह से मुक्त होकर प्रकृति की ओर उन्मुखता सौंदर्य की व्यापकता को और बढ़ा देता है। कमल की उपमा का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि कमल संभावनाओं एवं सात्विकता को व्यक्त करता है क्योंकि वह सूर्य के उदय के साथ खिलता है।

कार्यक्रम के समापन पर विभाग के अध्यापक डॉ. पल्लव ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग एवं ईस्ट एशियन स्टडीज के अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मूलभूत समस्याओं को लेकर लोगों में आक्रोश

कांग्रेस नेताओं ने लोगों के साथ जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव किया

भीलवाड़ा में लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जलदाय विभाग, चम्बल परियोजना और सीवरेज ठेकेदार की लापरवाहियों का खामियाजा इन दिनों शहरवासी भुगत रहे हैं। आए दिन अलग-अलग कॉलोनियों में पाइप लाइन तोड़े जाने और जलापूर्ति प्रभावित होने की खबरें आम हो गई हैं, लेकिन इन विभागों की तरफ से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, इसलिए शुक्रवार को कांग्रेस नेताओ ने लोगों के साथ जलदाय विभाग के अधिकारियों का घेराव करते हुए पीपा बजा कर उन्हें कुंभकर्ण नींद से जगाने का प्रयास किया। नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक और सेवादल के मनोज पालीवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग विभाग के कार्यालय पहुंचे और पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान लोगों ने अधिकारियों का घेराव करते हुए पीपा बजाकर उन्हें आमजन की समस्याओं को सुनने के लिए जगाने का प्रयास किया। ज्ञापन में शहर में पर्याप्त जलापूर्ति करने, निश्चित तारीख और समय पर आपूर्ति करने, सीवरेज द्वारा बार- बार पाइप लाइन को बाधित करने के संबंध में स्थाई तौर पर निर्णय करने, दूषित जल जो लीकेज के कारण पाइप लाइनों में आ जाता है उसका सर्वे करवा ठीक करने और शहर के सभी हेंडपैपों को और पुरानी जलदाय विभाग की ट्यूबवेल दुरस्त करने की मांग की गई।

कुश्ती प्रतियोगिता में अश्विनी बिश्नोई का पदक जीतने पर स्वागत

अश्विनी बिश्नोई ने 15 वर्ष आयु और 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता

भीलवाड़ा, (निसं)। पहलवानी के क्षेत्र में एक बार फिर भीलवाड़ा की बेटी ने जिले का नाम पूरे देश में ही नहीं दुनिया में रोशन किया है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में संपन्न हुई एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाली अश्विनी बिश्नोई भीलवाड़ा की बेटी है, जिसने विदेशी सरजमीं पर अपनी काबिलियत और बलबूते पर देश और प्रदेश के साथ अपने परिवार का नाम रोशन किया है। पदक जीतने पर रेलवे स्टेशन पर अश्विनी बिश्नोई का आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया।

- **अश्विनी बिश्नोई का भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया**

जब अश्विनी बिश्नोई के एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 15 वर्ष आयु और 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने की खबर सुनते ही उसके घर शुभकामनाओं का तांता लग गया। 15 वर्षीय एशियन चैंपियन ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में लगातार दूसरी बार भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतकर अपने देश और माता-पिता का नाम रोशन किया है।

विजेता अश्वनी बिश्नोई ने चीन की पहलवान को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भीलवाड़ा की इस खिलाड़ी की एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में यह लगातार दूसरी जीत है। अश्विनी के पिता मुकेश बिश्नोई एक मिल में मजदूरी करते हैं।

जानकारी के मुताबिक मुकेश बिश्नोई खुद भी पहलवान थे, लेकिन घर की जिम्मेदारियों और आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से आगे कुश्ती नहीं लड़ पाए और देश के लिए कुश्ती में मेडल जीतने का सपना अधूरा ही रह गया। अब उनका मेडल जीतने का सपना उनकी बेटी ने पूरा किया है। बेटी के भीलवाड़ा पहुंचने पर शहरभर ने उसका स्वागत किया। रेलवे स्टेशन पर आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत करने के बाद जुलूस निकाला गया, जिस पर कई जगह शहरवासियों ने पुष्प वर्षा कर अश्विनी बिश्नोई का स्वागत किया।

जैन समाज की 111 प्रतिभावान बेटियों का सम्मान

उदयपुर, (का.सं.)। सामाजिक संस्था श्री महावीर युवा मंच संस्थान, महिला प्रकोष्ठ द्वारा सौ फीट रोड स्थित शुभकेसर गार्डन में शुक्रवार को जैन समाज की 111 प्रतिभावान बेटियों का सम्मान समारोह हुआ। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा ऋतु मारू एवं महामंत्री अमिता डांगी ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि शहर विधायक ताराचंद जैन व समारोह की अध्यक्षता जयनारायण विश्व विद्यालय के रजिस्ट्रार ओपी जैन ने की। सम्मानित अतिथि के रूप में राजसमंद विधायिका दीप्ति किरण माहेश्वरी, संस्थान के मुख्य संरक्षक राजकुमार फत्तावत एवं बडाला क्लासेज के निदेशक राहुल बडाला थे।

इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि बेटियां दो परिवारों की धरोहर होती है। इसको सहेजना और संवारना समाज कर्तव्य है। 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली 111 जैन समाज की बेटियों ने अपने टेलेन्ट से अपने आप का सिद्ध किया है। समाज भी इन बेटियों के प्रति अपना दायित्व समझते हुए इन्हे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास करें। संस्थान के मुख्य संरक्षक एवं सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने कहा कि संस्थान की महिला प्रकोष्ठ ने केवल बेटियों का सम्मान कर एक अनुठी पहल की है। इस अवसर पर फत्तावत ने प्रतिवर्ष जैन समाज की 5 बेटियों को गोद लेकर इनकी शिक्षाए भरण-पोषण आदि का कार्य करने का भामाशाह जयन्ती पर संकल्प लिया एवं प्रकोष्ठ की बहिनों से सभी बेटियों को स्मार्ट व सशक्त गर्ल्स बनाने का आव्हान किया।

आयोजन की संयोजिका प्रिया झगडावत, चित्रलेखा तलेसरा, सुनीता बेलावत ने बताया कि सभी अतिथियों ने 111 बेटियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल, उपरणा, श्रीफल व तिलक द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष अशोक कोठारी, महामंत्री विजयलक्ष्मी गलूंडिया, बीजेएस अध्यक्ष यशवंत कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष दीपक सिंघवी, महामंत्री भूपेन्द्र गजावत, जेजेसी अध्यक्ष सुधीर चित्तौड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष अरूण मेहता, महामंत्री सोनाली जैन, बीजेएस प्रदेश महामंत्री श्याम नागोरी, कोर्डिनेटर चन्द्रप्रकाश चौरडिया आदि मौजूद रहे।

राशिफल शनिवार 29 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रात: 3:49 तक, शोभन योग सांय 6:54 तक, कौलव करण दिन 2:20 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बुध कर्क राशि में दिन 12:27 पर प्रवेश करेगा। शानि वक्री रात्रि 12:40 पर होगा। आज बोहरा अष्टमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:22 से 9:05 तक, चर 12:30 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

धनु

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धार्मिक कार्यों में सहभागिता रहेगी।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मनोरंजन पर खर्च हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक आर्थिक मामलों मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

मनोस्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 338 प्रभात बीकानेर, शनिवार 29 जून, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

लोकसभा में राहुल गाँधी व राज्यसभा में खड़गे का माइक ''म्यूट''?

सोशल मीडिया पर दिनभर वायरल रही यह खबर

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं अपने दुश्मन बन गए हैं? क्या उनकी ज़िद भाजपा को क्षति पहुँचा रही है और ऐसा परिदृश्य पैदा कर रही है, जिसमें ऐसा लग रहा है कि, वो आम आदमी के मुद्दों के साथ जुड़े हुए नहीं हैं?

भाजपा के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि, यदि संसद में नीट के मुद्दे पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो यह भाजपा के हित में होता और एक बार जब मुद्दे पर पूरी तरह बहस हो जाती तो उसको लेकर जो दबाव बन रहा है वो थोड़ा कम हो जाता और ऐसा लगता है कि, भाजपा इस मुद्दे को लेकर चिंतित है तथा देश के युवाओं के लिए बोल रही है।

लेकिन, हुआ क्या? ओम बिड़ला तथा जगदीप धनखड़ ने विपक्ष को यह मुद्दा उठाने नहीं दिया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गाँधी का माइक स्विच ऑफ था और यह खबर अब वायरल हो गई है। ओम बिड़ला का कहना है कि, उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि माइक का बटन उनके पास नहीं है।

- **सूत्रों के अनुसार, राहुल गाँधी ने जब लोकसभा में नीट फर्जीवाड़े का मुद्दा उठाया तो, उनका माईक कथित तौर पर स्विच ऑफ था, जब राज्यसभा में खड़गे ने यही मुद्दा उठाया तो उनका माईक भी म्यूट था।**
- **राहुल गाँधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई।**
- **इस मसले पर भाजपा में भी सुगबुगाहट देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, एक वरिष्ठ भाजपा सांसद ने कहा कि, संसद में नीट पर बहस की अनुमति दे दी जाती तो नीट मसले पर बढ़ता दबाव कुछ कम हो जाता और युवा वर्ग में मैसेज जाता कि भाजपा को उनकी फिक्र है।**
- **एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि, मोदी यह दिखा रहे हैं कि, सब कुछ उनके नियंत्रण में है, और कुछ भी नहीं बदला।**
- **विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि, अगर मोदी अपने तौर तरीके बदल लेते तो यह मैसेज जाता कि वे ''कमजोर'' हो गए हैं, शायद इसीलिए मोदी पुरानी कार्यशैली पर ही चल रहे हैं।**

मल्लिकार्जुन खड़गे को उठकर सदन के वैल में जाना पड़ा क्योंकि, राज्य सभा में जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया और उनका माइक भी म्यूट कर दिया गया।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, मोदी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि, सब कुछ 17वीं लोकसभा जैसा ही है, कुछ भी बदला नहीं है। यह भी कि, सब कुछ उनके आदेश अनुसार ही होता है।

विपक्ष के एक नेता का कहना है कि, यह काल्पनिक परिदृश्य भाजपा को अधिक हानि पहुँचाएगा, जितना मोदी को अहसास भी नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि, मोदी हिले हुए हैं। वो अभी भी विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं देने की पुरानी रणनीतियों पर चल रहे हैं। माइक म्यूट कर देना और पूरी ताकत से अपना एजेण्डा आगे बढ़ाने जैसी युक्तियाँ अब सशक्त व मौन नेता की छवि को लाभ नहीं पहुँचा रही है।

अब यदि मोदी किसी अलग अवतार में आते हैं तो यह ऐसा होगा मानो वो स्वीकार कर रहे हैं कि, अब वो एक कमज़ोर नेता हैं जो बैसाखी के सहारे चल रहा है तथा स्वयं अपनी नियति का मालिक नहीं है।

लेकिन संसद के पिछले कुछ दिन दर्शाते हैं कि, मोदी अपनी काल्पनिक दुनिया में रहना चाहते हैं, फिर चाहे पार्टी को कुछ भी नुकसान हो।

एकलपट्टा केसों की जांच के लिए समिति गठित

जयपुर, 28 जून। प्रदेश में एकल पट्टों से संबंधित प्रकरणों की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार ने समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में इस समिति का गठन किया गया है। साथ ही, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव इस समिति के सदस्य होंगे।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्व न्यायाधीश आर. एस.राठौड़ की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की और कहा कि एकल पट्टा केसों की निष्पक्ष जांच होगी।**

के कार्यकाल में एकल पट्टा प्रकरण में हुई अनियमितताओं पर न्यायालय से केस वापिस लेने के लिए कमेटी गठित की गई थी। लेकिन कमेटी में तत्कालीन शहर विकास मंत्री शांति धारीवाल के कार्यालय से संबंधित अधिकारियों को शामिल किया गया था। इससे उक्त कमेटी की निष्पक्षता पर सवाल उठे थे।

पूर्व न्यायाधीश आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में नव गठित समिति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा 5 महीने बाद रिहा हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड हाईकोर्ट ने सोरेन को जमानत देते हुए कहा कि, उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मनी लॉण्डरिंग का कोई केस नहीं बनता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मनी लॉन्डरिंग केस में हाई कोर्ट से जमानत मिल जाने के बाद उन्हें रांची की बिरसा मुण्डा जेल से रिहा कर दिया गया। यह घटना राजनीति में इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस बात की पूरी संभावना है कि कुछ माह बाद प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक मजबूत होगा।

जैसे ही सोरेन जेल से बाहर निकलकर आए उनके पक्ष में जे.एम.एम. के हजारों समर्थकों ने जश्न मनाया और उनके पक्ष में नारे लगाए।

जेल से रिहाई के बाद मीडिया से बात करते हुए सोरेन ने कहा ''मुझे 5 माह तक जेल में रखा। हम यह भी गौर से देख रहे हैं कि न्याय प्रक्रिया में महीने या कुछ दिन ही नहीं बल्कि वर्षों का समय लग रहा है। आज संपूर्ण देश के लिए यह एक संदेश है कि हमारे खिलाफ एक षडयंत्र रचा गया था।''

''जो संघर्ष हमने शुरू किया था और जो संकल्प हमने लिए थे उनको मूर्तरूप देने के लिए हम काम करेंगे।''

- **हाईकोर्ट की सिंगल जज बैंच ने सोरेन को 50 हजार रुपये के बेल बॉण्ड और इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर जमानत दी।**
- **ई.डी. ने यह कहकर जमानत का विरोध किया कि, सोरेन प्रभावशाली व्यक्ति हैं और रिहा होकर वे अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सकते हैं। पर हाईकोर्ट ने कहा कि, सोरेन प्रथम दृष्टया अपराधी नहीं हैं और जमानत मिलने के बाद उनके कोई अपराध करने की संभावना नहीं है।**
- **झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री को ई.डी. ने जमीन के एक सौदे में मनी लॉण्डरिंग की जांच के दौरान इसी वर्ष 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। तब से सोरेन रांची की बिरसा मुंडा जेल में ही थे।**

सोरेन को जमानत उनकी याचिका पर सुनवाई व कोर्ट द्वारा दो सप्ताह तक आदेश सुरक्षित रखने के बाद दी गई है।

न्यायाधीश रोंगोन मुखोपाध्याय की एकल बैंच ने सोरेन को 50,000 रूपये के एक जमानत बाँड एवं इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर जमानत मंजूर की है।

सोरेन के वकील ने मीडिया से कहा कि कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री को प्रथम दृष्टया दोषी नहीं माना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधानसभा चुनाव में स्टालिन का सिरदर्द बनेंगे तमिल सुपरस्टार विजय

तमिलनाडू के इस लोकप्रिय स्टार ने साफ कर दिया है कि, वे तमिलनाडू विधानसभा चुनाव लड़ेंगे

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। फिल्म अभिनेता विजय, तमिलनाडू में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री के नियंत्रण में द्रमुक और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कथित रूप से विफल रहने के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि ''राज्य के सभी ईमानदार और सत्यनिष्ठ लोग क्या कर रहे हैं।''

विजय ने सभी राजनीतिक दलों को एक ही लकड़ी से हांकते हुए कहा कि राजनीति में अच्छे लोगों की जरूरत है। चैन्नई में आयोजित छात्रों के एक अभिनन्दन कार्यक्रम में दिए गए संबोधन में विजय ने राज्य की राजनीतिक दुर्दशा पर टिप्पणी की और उनकी इस टिप्पणी को लोकसभा और विधानसभा के अगले चुनावों के मद्देनज़र चुनावी तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

- **विजय ने इन दिनों तमिलनाडू के मुख्यमंत्री व द्रमुक के मुखिया एम.के. स्टालिन के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है और आरोप लगाया है कि, सरकार नशीली दवाओं के कारोबार पर नियंत्रण करने में बुरी तरह नाकाम रही है।**
- **तमिलनाडू की राजनीति हमेशा से तमिल फिल्म इंडस्ट्री का प्रिय मैदान रही है। करूणानिधी, एम.जी. रामचंद्रन, सभी का फिल्मों से गहरा जुड़ाव रहा है, और अब एक्टर विजय भी इस क्षेत्र में जोर आजमाना चाहते हैं।**
- **विजय युवा वर्ग में बेहद लोकप्रिय हैं। हर धर्म और जाति के उनके प्रशंसक हैं। राजनीति में उनके आगमन की खबर से सत्तारुढ़ पार्टी में बैचेनी बढ़ने लगी है।**
- **विजय ने युवाओं में बढ़ती नशे की लत व नशे के कारोबार पर निशाना साधकर अपने इरादों का संकेत दे दिया है।**

विजय, तमिलनाडू की उन फिल्मी हस्तियों में से एक बनना चाहते हैं, जिन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुँचकर बड़ा नाम कमाया है। एम.जी. रामचन्द्रन और उनके संरक्षण में रहीं, जे. जयललिता तथा द्रमुक सुप्रीमो एवं पटकथा लेखक, एम. करूणानिधि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु 62 साल क्यों नहीं'

जयपुर, 28 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूछा है कि पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु सीमा 60 साल क्यों है 62 साल क्यों नहीं। हाई कोर्ट ने इस मामले में अतिरिक्त मुख्य वित्त सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और संयुक्त पशुधन सचिव सहित चिकित्सा सचिव से जवाब तलब

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने अतिरिक्त मुख्यसचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और संयुक्त पशुधन सचिव से जवाब मांगा है। ज्ञातव्य है कि, एम.बी.बी.एस. चिकित्सक 62 वर्ष की आयु में रिटायर होते हैं, पर पशु चिकित्सकों को 60 वर्ष की आयु में रिटायर कर दिया जाता है।**

किया है। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. पदमचंद जैन व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि जब एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मनी लॉण्डरिंग रोकने में भारत विश्व में सबसे आगे'

अंतर्राष्ट्रीय संस्था, फाइनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स ने कहा कि, भारत के वित्तीय नियम और पूंजी प्रवाह पर निगरानी करने वाली संस्थाएं काफी सशक्त हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। भारत को एक ऐसे देश के रूप में मान्यता मिली है जो मनी लॉण्डरिंग और टैरर फण्डिंग की गतिविधियों की रोकथाम में वैश्विक रूप से अग्रणी है। भारत के वित्तीय नियमन तथा वित्तीय त्रुटियों की निगरानी का सिस्टम भारत के और यहाँ आने वाली बकायदा वित्तीय गड़बड़ियों को दूर करने में प्रभारी रूप से काम करते हैं।

भारत को यह मान्यता, पूरी दुनिया और देशों के भीतर मनी लॉण्डरिंग, टैरर फायनैंसिंग व अनियमित वित्तीय त्रुटियों की रोकथाम करने वाली एक वैश्विक संस्था फायनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) ने दी है। यह अंतर सरकारी संस्था एक वैश्विक निगरानी एजेंसी है। भारत को सिंगापुर के एक विशेष एकांश द्वारा पारस्परिक मूल्यांकन के बाद ''रैग्यूलर फॉलोअप'' श्रेणी में रखा गया। यह श्रेणी पर्यवेक्षण और जाँच के स्वीकार्य मापदण्डों की एक मान्यता है।

इस प्रकार की मान्यता उपयोगी है क्योंकि यह मान्यता मिलने के बाद देश को वित्तीय सैक्टर के ग्लोबल प्लेयर्स के लिए सुरक्षित गंतव्य माना जाता है। इससे देश की व्यापारिक संस्थाओं की वैश्विक वित्तीय

- **फाइनैंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) टैरर फंडिंग, मनी लॉण्डरिंग और विभिन्न देशों से होने वाले गैर कानूनी वित्तीय लेन-देन पर नज़र रखती है।**
- **भारत 2010 में इस संस्था में शामिल हुआ था, तबसे ही भारत में गैर कानूनी वित्तीय प्रवाह पर कड़ा नियंत्रण रखा जाता है।**
- **भारत ने अधिकांश अन्तर्राष्ट्रीय अकाउन्टिंग स्टैण्डर्ड्स अपना रखे हैं जो बेहद कठोर हैं।**

बाजारों तक पहुँच में भी सुधार होता है।

यह वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीज़ से उच्च क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करने के समान है। एफ.ए.टी.एफ. से मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी देश को ग्लोबल अकाउन्टिंग स्टैण्डर्स भी व्यवहार में लाने पड़ते हैं।

भारत ने वर्षों पहले, अधिकांश इन्टरनैशनल अकाउन्टिंग स्टैण्ड्र्स अपना लिए थे, जो व्यवहारिक रूप से थोड़े सख्त होते हैं। एफ.ए.टी.एफ. का व्यवहारिक उपयोग वश्विक आतंकवाद के प्रसार के विरोध में 1990 के दशक में शुरु किया गया था। पश्चिमी देशों ने आरंभ में इसकी शुरुआत ऑर्गनाइज़ेशन कोर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एण्ड डवलपमैंट (ओई.सी.डी.) के नेतृत्व में की थी।

कुछ ही अन्य देशों को भारत जैसी श्रेणी में रखा गया है।

पाकिस्तान ने प्राय: सीमा पार आतंकवाद को प्रोत्साहित किया है और ऐसी बेहिसाब वित्तीय त्रुटियों में उनकी भागीदारी रही है। मनी लॉण्डरिंग की रोकथाम में पाकिस्तान की एफ.ए.टी.एफ. रैंकिंग बहुत नीचे है।

वित्तीय सहायता व संसाधन उपलब्ध कराए बिना सीमा पार आतंकी गतिविधियां नहीं हो सकतीं। ऐसी गतिविधियां को फण्डिंग करने का प्रत्यक्ष परिणाम है वैश्विक आतंकवाद। भारत वर्ष 2010 में एफ.ए.टी.एफ. बिरादरी का हिस्सा बना था और वह तब से ही अनियंत्रित वित्तीय गड़बड़ियों पर कठोर प्रतिबंध लगाता रहा है। एक सदस्य देश के रूप में भारत मनी लॉण्डरिंग और टैरर फण्डिंग के खिलाफ उपाय करने को बाध्य है।

टैलिकॉम कंपनियों ने मोबाइल रीचार्ज 27% तक महंगा किया

नई दिल्ली, 28 जून। देश की दोनों ही प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों जियो और एयरटेल ने अपने रीचार्ज प्लान्स की कीमतों में इजाफा कर दिया है। जियो ने करीब ढाई साल बाद अपने रीचार्ज प्लान्स कीमतों में इजाफा किया है। जहां एयरटेल ने अपने प्लान्स को 600 रुपये

- **जियो ने रीचार्ज प्लान में 12-27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है तथा एयरटेल ने अपने रीचार्ज प्लान्स को 600 रुपये तक महंगा कर दिया है।**

तक महंगा किया है, वहीं जियो के प्लान्स की कीमतों में 27 परसेंट तक की बढ़ोतरी हुई है।

दोनों कंपनियों ने 5 जी सर्विस लॉन्च के बाद अपने प्लान्स में ये बड़ी बढ़ोतरी की है। इससे पहले भी टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ प्लान्स को रिवाइज किया था, लेकिन इस बार पूरे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो राजनैतिक घटनाक्रमों से तिलमिलाए नीतीश दिल्ली पहुँचे

आज होने वाली जद (यू) की नैशनल एग्ज़िक्युटिव बैठक में नीतीश बड़ा बयान दे सकते हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जून। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए आज दिल्ली पहुँचे। बैठक शनिवार को शुरु होगी। यह बैठक हाल ही की दो महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं की पृष्ठभूमि में हो रही है। नीतीश सरकार ने आरक्षण कोटा में बढ़ाने की जो घोषणा की थी, उसे पटना हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया और दूसरी घटना है, भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे द्वारा हाल ही में दिया गया वक्तव्य, जिसमें उन्होंने कहा है कि, भाजपा को 2025 का विधानसभा चुनाव स्वयं अपने बल पर लड़ना चाहिए।

हाई कोर्ट के आदेश से जहाँ नीतीश कुमार बचाव की मुद्रा में आ गए हैं, वहीं, चौबे की टिप्पणियाँ ऐसे समय में शर्मिंदगी का कारण बनी हैं, जबकि, नरेन्द्र मोदी सरकार अपने सरवाइवल के लिए मुख्य रूप से नीतीश की पार्टी पर निर्भर है।

संभावना है कि, अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग में चौबे की टिप्पणी का मसला उठाएंगे।

- **नीतीश कुमार के आरक्षण कोटा बढ़ाने के फैसले को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है, जिससे नीतीश की भारी किरकिरी हुई है।**
- **नीतीश को आशंका है कि, कि हाईकोर्ट इस फैसले से राष्ट्रीय जनतादल के नेतृत्व वाले महागठबंधन को लाभ होगा। इसी से आशंकित होकर वे विधानसभा चुनाव एक साल देरी से, महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखंड के चुनावों के साथ, कराने पर जोर दे रहे हैं।**
- **भाजपा ने ना केवल नीतीश के इरादों पर चुप्पी साध रखी है, बल्कि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे ने तो यह तक कह डाला कि, भाजपा को विधानसभा चुनाव अकेले लड़ना चाहिए।**
- **इससे यह संकेत मिलता है कि, बिहार में भाजपा और जद (यू) के बीच सब कुछ ठीक नहीं है, जबकि केन्द्र में भाजपा सरकार नीतीश के समर्थन पर आश्रित है।**
- **समझा जाता है कि, नीतीश इस मसले को प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष उठाएंगे, साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ऐसी रणनीति पेश करेंगे जिससे जद (यू) तथा उनकी खुद की प्रासंगिकता बनी रहे।**

जद (यू) के दो नेताओं (राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह और राम नाथ ठाकुर) को मोदी के मंत्रिमण्डल में शामिल किया गया है और जद (यू) ने स्पीकर के लिए भाजपा की पसंद, ओम बिड़ला का समर्थन भी किया है।

लेकिन, बिहार में भाजपा और जद (यू) के बीच सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। इस बारे में अटकलबाजिया उस समय शुरु हुईं जब, भाजपा नेता और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कॉल आने पर जल्दबाजी में एक महत्वपूर्ण मीटिंग छोड़कर चले गए। यह मीटिंग भाजपा महामंत्री विनोद तावडे ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए बुलाई थी तथा मीटिंग में नवम्बर 2025 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा होनी थी।

आरक्षण के मामले पर हाई कोर्ट का आदेश आने के बाद आर.जे.डी. के नेतृत्व वाले महागठबंधन की लोकप्रियता में वृद्धि होने की आशंका में कुमार इस अनुचित मांग पर दबाव देते रहे हैं कि बिहार में विधानसभा चुनाव एक वर्ष के लिए टाल दिए जाए और बिहार चुनाव महाराष्ट्र, हरियाणा व झारखण्ड में होने वाले चुनावों के साथ कराए जाए। भाजपा इस विचार पर शांत है।

कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कुमार प्रभावी रणनीति के साथ आने का प्रयास करेंगे ताकि उनकी पार्टी और उनकी स्वयं की राजनीतिक प्रासंगिकता बरकरार रहे।

कुमार को एक चतुर नेता के रूप में जाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बारिश का पानी शशि थरूर के घर में घुसा

नई दिल्ली, 28 जून। दिल्ली में शुक्रवार को हुई बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर वाहन पानी में डूबे नजर आए। भारी बारिश के कारण दिल्ली की सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम भी नजर आया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बारिश की वजह से अपने लुटियंस दिल्ली के घर में फिर से पानी भर जाने की कहानी

- **शशि थरूर ने कहा, मैंने सुबह उठकर देखा तो मेरे घर के हर कमरे में एक फुट पानी था।**

एक्स पर शेयर की। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि, सुबह जागने पर उनके घर के हर कमरे में एक फुट पानी था।

एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''कारपेट्स, फर्नीचर, बिल्कुल हर चीज खराब हो गई। शायद मोहल्ले के स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज भर गए थे, इसलिए पानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में सवा तीन इंच बरसात से कई इलाके जलमग्न, नदी-नालों में उफान आया

बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त, निचली बस्तियों और कॉलोनी में बारिश का पानी भरा

कोटा में भारी बरसात के चलते डकनिया रेलवे स्टेशन के स्टैंड में खड़े वाहन पानी में डूब गए।

कोटा, (निसं)। कोटा में मानसून सीजन की अब तक की सबसे तेज बारिश गुरुवार रात को हुई है। गुरुवार शाम 8 बजे से बारिश का क्रम शुरू हुआ, जो शुक्रवार अल सुबह तक जारी था। शुक्रवार दोपहर में भी शहर के कुछ स्थानों पर बरसात का दौर चला। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में 85.9 मिलीमीटर यानी 3.38 इंच बारिश हुई है। बारिश होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त भी हुआ है। कई निचली बस्तियों और कॉलोनी में बारिश का पानी भर गया है।

कोटा के उपनगरीय रेलवे स्टेशन डकनिया पर स्मार्ट स्टेशन बनाने का निर्माण कार्य जारी है। ऐसे में नालों के अवरुद्ध होने के चलते स्टेशन की पार्किंग में पानी प्रवेश कर गया। इसी तरह से बोरखेड़ा, स्टेशन, जवाहर नगर, बजरंगनगर, प्रेमनगर क्षेत्र में निचली बस्ती और कॉलोनी में पानी भर गया। दूसरी तरफ देवली अरब रोड पर महिलाओं ने सड़क जाम कर दिया। मामला सीवरेज लाइन डालने के दौरान सड़क को खोद देने का था। अब वहां पर बारिश हो जाने के चलते आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। जहां पर देर रात को पुलिस भी पहुंची थी और लोगों से समझाईश की थी जिसके बाद महिलाओं ने रास्ता खोल दिया था। गुरुवार रात को हुई बारिश को मिलाकर इस सीजन में अब तक कोटा में 212 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। अच्छी बारिश गिरने के बावजूद न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। बारिश के बाद नदी नालों में उफान आने से मगरमच्छों का खतरा बढ़ गया है। मगरमच्छ नदी नालों से निकलकर कॉलोनी और खाली प्लाटों में पहुंच रहे हैं। सड़कों पर उनकी चहलकदमी नजर आ रही है।

लाड़पुरा रेंज के वनकर्मी वीरेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि नाग-नागिन मंदिर से 80 फिट रोड की तरफ जा रही नहर के समानांतर सड़क के नजदीक बनी एक मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में करीब 5 फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा प्रवेश कर गया था जिसकी सूचना पर लाडपुरा रेंज की टीम पहुंची थी। जिन्होंने क्रोकोडाइल का रेस्क्यू किया है। वनकर्मी हाड़ा ने बताया कि बीते दो दिनों में चार क्रोकोडाइल का रेस्क्यू अब तक कर चुके हैं।

इसी तरह से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के नजदीक के इलाके में नीलगाय दलदल में फंस गई थी इसकी सूचना रेंजर प्रद्युम्न सिंह राठौड़ को मिली। इसके बाद उन्होंने मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व के नाका प्रभारी राजवीर सिंह को मौके पर भेजा। जिन्होंने नीम की चौकी के पास तलाई में मादा नीलगाय को आधे घंटे की मशक्कत के बाद दलदल से बाहर निकाला और सुरक्षित जगह पर रिलीज किया। इस दौरान उनके साथ बॉर्डर होमगार्ड का जवान पूनम सिंह ने भी मदद की है। राजवीर का कहना है कि खाने की तलाश में मादा नीलगाय घूम रही होगी। इसी के चलते वह दलदल में फंस गई थी। उसका रेस्क्यू नहीं किया जाता तो उसकी जान चली जाती।

जोधपुर में दूसरे दिन भी बरसात जारी रही

- पावटा, मंडोर सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से वाहनों का जाम लगा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शुक्रवार को दूसरे दिन भी बरसात जारी रही। आधे शहर में अच्छी बरसात हुई। भीतरी शहर में सड़कों पर नदी की तरह पानी बहने लगा। वहीं पावटा, मंडोर सहित अन्य क्षेत्रों में सड़कों पर पानी भरने से वाहनों का जाम लगा। शुक्रवार दोपहर 12 बजे के करीब हल्की बरसात का दौर शुरु हुआ जो डेढ़ बजे तक तेज हो गई। पावटा, महामंदिर, मंडोर सूरसागर आदि क्षेत्रों में तेज बरसात हुई। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में तेज फिर धीरे बरसात ने मौसम खुशनुमा कर दिया लेकिन उमस बरकरार रही।

इधर बकरा मंडी गंगलाव तालाब के आस-पास निचले घरों में पानी भर गया। घरों के निवासी को क्षेत्रवासियों ने बाहर निकाला। शुक्रवार को भी इन इलाकों से पानी निकालने की कवायद जारी थी ऐसे में फिर बारिश आ गई। गुरुवार को हुई बरसात में एयरपोर्ट रोड स्थित खुले नाले में 22 वर्षीय युवक तगाराम मेघवाल की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना देकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और मुआवजे की मांग की।

गुरूवार को जोधपुर में बरसात के पानी से गटर लाइन के खुले होल में डूबने से तगाराम मेघवाल की मौत हो गई थी जिसका शुक्रवार को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराने हेतु तगाराम के परिजनों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने निगम से आर्थिक सहायता, मृतक के परिवार में से एक व्यक्ति को संविदा पर नौकरी व अन्य मांग की। वार्ता के लिए नगर निगम दक्षिण महापौर वनीता सेठ पहुंची और मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए परिवार के एक व्यक्ति को निगम में संविदा पर नौकरी व एक डेयरी बूथ की दुकान देने की घोषणा कर मृतक के पिता नरपतराम को 20 लाख रुपये का चेक सौंपा तथा 10 लाख रुपये और देने की घोषणा की, उसके बाद मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया।

धौलपुर के कई क्षेत्रों में हुई बारिश लोगों के लिये आफत बनी

- बरसात के पानी का भराव होने से कई जगह पक्की दीवारें धराशाही हुई
- गाड़िया लुहारों की झुग्गी झोपड़ियां जलमग्न होने से काफी समस्या गहराई

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बसई नवाब क्षेत्र भर में हुई जोरदार बारिश कहीं राहत तो कहीं आफत बनी हुई है। बसई नवाब में नालों की सफाई नहीं होने से बरसात का पानी लोगों के लिए आफत बन गया है। नालों की सफाई नहीं होने से जाटव बस्ती सहित मनियां सड़क मार्ग पर चारों ओर बरसात के पानी का भराव होने से कई जगह पक्की दीवार धराशाही हो गई। वहीं गाड़िया लुहारों की झुग्गी झोपड़ियां जलमग्न होने से काफी समस्या गहरा गई है।

तेज बारिश के बीच जाटव बस्ती के राजेंद्र पुत्र तुलाराम, आकाश और हेमंत के घर के बाहर डला टीन सैट भरभरा कर जा गिरा। इस दौरान टीन सेट के नीचे सो रहे परिवार की एक महिला बेवी पत्नी मुनीष सहित कई सदस्य घायल हो गए। वहीं मुकेश जाटव की मकान की दो पट्टियां टूट गई। इधर मानसून की पहली जोरदार बारिश ने ठााम पंचायत बसई नवाब में व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। कल्याण सिंह सहित अन्य लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत की ओर से बारिश से पूर्व नालों की सफाई नहीं कराई गई है। ऐसे में नालों की सफाई नहीं होने से निकासी अवरुद्ध बनी हुई है। जिससे चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है।

वहीं धौलपुर के राजाखेड़ा में पहली मानसून की बारिश ने फिर एक बारनगरपालिका के दावों की पोल खोल दी है। जिसके कारण गुरुवार रात में हुई बारिश ने राजाखेड़ा की गलियों को जलमग्न कर दिया। जिससे आमजन को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार-शुक्रवार की रात मानसूनी बारिश होने के कारण राजाखेड़ा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड 9 के अलावा अन्य गलियां तालाब बन गईं। जिसके कारण वार्ड निवासी घर से भी नही निकल पाए। शुक्रवार सुबह कॉलोनी में रह रहे लोगों का आक्रोश फूट गया और एकत्रित हो गए, जिन्होंने नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

पुलिस अधीक्षक ने बजरी माफिया के खिलाफ कार्रवाई की

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने शुक्रवार को लालसोट- कोटा मेगा हाईवे मलारना चौड व टोंड के पास अचानक पुलिस टीम के साथ पहुंचकर अवैध बजरी खनन व परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान एसपी ने मौके से चार ट्रेलर अवैध बजरी से भरे जब्त कर मलारना डूंगर थाने में भिजवाए, वहीं अन्य वाहन बजरी खाली कर फरार हो गए।

मलारना डूंगर थाना अंतर्गत लालसोट-कोटा मेगा हाईवे पर भाड़ोती व मलारना चौड पुलिस चौकी होते हुए भी अवैध बजरी खनन व परिवहन की लगातार शिकायतें आती रहती है। 23 जून की रात को कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने रसूलपुरा गांव पहुंचकर मौके से अवैध बजरी से भरे वाहनों को पकड़कर एसपी ममता गुप्ता को मौके पर बुलाया था। गुरुवार को भी हाईवे पर अवैध बजरी परिवहन होता रहा। इस शिकायत के बाद शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने एक्शन लिया एवं मय टीम के मौके पर पहुंचकर बजरी खनन व परिवहन माफिया के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान मलारना डूंगर थाना प्रभारी, भाड़ोती व मलारना चौड चौकी प्रभारी को जमकर लताड़ा व भविष्य में ध्यान रखने की हिदायत दी।

अनुपस्थित रहे 10 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्व अधिकारी ग्रेड-द्वितीय एवं अधिशाषी अधिकारी वर्ग-चतुर्थ प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत आयोजित पात्रता जांच में अनुपस्थित रहे 10 अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

इन अभ्यर्थियों को 3 जुलाई सुबह 9.30 बजे आयोग कार्यालय में आवश्यक रूप से उपस्थित होना होगा। विस्तृत सूचना एवं अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की सूची आयोग वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग के वरिष्ठ उप सचिव अजय चौहान ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत पात्रता जांच के लिए 21 नवंबर 2023 को विचारित सूची जारी कर 11 से 13 दिसंबर 2023 तक काउंसलिंग का आयोजन किया गया था।

महिला कर्मचारी सहित दलाल को रिश्वत लेते पकड़ा

महिला कर्मचारी ठेकाकर्मियों की हाजिरी में 12 अटेंडेंस ज्यादा जोड़कर कमीशन मांगती थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में एसीबी टीम ने महिला कर्मचारी सहित दलाल को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। महिला कर्मचारी ठेकाकर्मियों का हाजिरी रजिस्टर मेंटेन करती थी। कर्मचारियों की हाजिरी में 12 अटेंडेंस ज्यादा जोड़कर कमीशन के रुपए मांगती थी। शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने शुक्रवार को उसे और दलाल को रिश्वत लेते दबोचा है। पकड़े जाने पर महिला कर्मचारी सिर पकड़कर रोने लगी।

एसीबी के डीवाईएसपी गोरधनराम ने बताया कि मथुरादास माथुर अस्पताल में संविदा पर नियुक्त एक कर्मचारी ने शिकायत की थी। उसने बताया था कि, हॉस्पिटल की ईसीजी टेक्नीशियन वैशाली शर्मा ठेका कर्मियों की अटेंडेंस भरती है। उन्होंने एक टेक्नीशियन के तौर पर 27 दिन हॉस्पिटल में काम किया था लेकिन इंचार्ज वैशाली शर्मा ने 40 दिन की उपस्तिथि कर रिकॉर्ड बनाकर पेमेंट पास किया। इसके बाद 12 दिन की हाजिरी ज्यादा लिखने की एवज में कमीशन के 3600 रुपए की मांग की। शिकायत मिलने पर एसीबी ने सत्यापन करवाया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। टीम ने कार्रवाई करते हुए मथुरा दास माथुर अस्पताल मल्टी लेवल आईसीयू में एक टेक्नीशियन के ऑफिस में कार्रवाई की। परिवादी से रिश्वत के रुपए लेने के बाद वैशाली ने दलाल पीयूष शर्मा को दिए थे। इसके बाद दलाल ने कुछ रुपए उसे दिए। एसीबी ने वैशाली के बैग से 3600 रुपए की राशि बरामद कर दलाल सहित पकड़ा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ झुंझुनूं के किठाना गांव पहुंची। किठाना गांव में अपने निजी आवास पर उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की। इस मौके पर भाजपा नेता राजेंद्र भांबू समेत अन्य ग्रामीणों ने डॉ. सुदेश धनखड़ का चुनरी ओढाकर स्वागत किया। इस मौके पर भांबू व ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास को लेकर उनके साथ चर्चा की। इसके अलावा समस्याओं के समाधान को लेकर भी बातचीत की। डॉ. सुदेश धनखड़ ने इस मौके पर कहा कि, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज भी झुंझुनूं के विकास के लिए सोचते रहते हैं। झुंझुनूं के विकास और उत्थान के लिए जो भी सुझाव हैं। समय-समय पर उनके पास पहुंचते हैं। जिन पर वे व्यक्तिगत रूचि रखते हुए काम करते हैं।

दिनदहाड़े बच्चे का अपहरण

हिम्मत दिखाकर अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर बच्चा घर पहुंच गया

श्रीकरणपुर, (निसं)। क्षेत्र के गांव रूपनगर में दिनदहाड़े 12 वर्षीय बच्चे के अपहरण का मामला सामने आया है। मोटरसाइकिल पर मुंह बांधकर आए दो अज्ञात लोगों ने घटना को अंजाम दिया। हिम्मत दिखाकर किसी तरह अपहर्ताओं के चंगुल से छूटकर बच्चा कुछ देर बाद घर पहुंच गया लेकिन घटनाक्रम को लेकर गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने डीएसपी से मिलकर प्रकरण में मुकदमा दर्ज करने व त्वरित कार्रवाई की मांग की।

जानकारी अनुसार ग्रामीणों के साथ आए परिवादी निशान सिंह पुत्र चंद सिंह निवासी चक 50 एफ रूपनगर ने डीएसपी संजीव चौहान को घटनाक्रम की जानकारी दी। परिवादी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब सवा दो बजे उसका पुत्र करणवीर सिंह (12) घर के चौबारे पर खेल रहा था। इस दौरान घर के दरवाजे के पास मोटरसाइकिल पर आए मुंह बांधकर दो अज्ञात व्यक्ति आए। मोटरसाइकिल की आवाज सुनकर करणवीर ने नीचे देखा तो उन्होंने उसे नजदीक आने का इशारा किया। इस पर वह नीचे उतरकर दरवाजे पर आया तो उन दोनों ने करणवीर का मुंह बंद कर उसे मोटरसाइकिल पर बिठा लिया और नहर के साथ सड़क पर कस्बे की ओर रवाना हो गए। इस दौरान करणवीर ने खुद को छुड़वाने का प्रयास किया तो घर से करीब आधा किमी दूर वह अपहरणकर्ताओं के हाथों से निकलकर नीचे गिर गया। इसके बाद बाद वह नहर पर पड़े फट्टे से खेतों की ओर भाग गया और वहां खेत में ट्रैक्टर जोत रहे किसानों के पास रुका रहा। आधे-पौने घंटे बाद जब वह घर आया तो उसके हाथ व कोहनी पर चोटें लगी थी और उसकी कमीज भी फटी हुई थी। हालांकि, तब उसके परिजन उसे ढूंढ रहे थे। घर आने पर करणवीर ने सारा वाकया अपने परिजन को बताया।

कुएं में युवक का शव मिला

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के कलमंडा सड़क मार्ग पर गुरूवार की देर रात्रि को कुएं में एक युवक का शव मिला। थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंच शव को कुएं से निकाल डिग्गी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शव की पहचान डूंगरी कलां निवासी शंकर बागरिया के रूप में की गई।

RAJASTHAN HOUSING BOARD
No. RE-X/RHB/JPR/2024-25/163 Date :- 25.06.2024
NIB: RE-X/2024-25/01
Bids for 1. Plantation Work including 5 year O & M of plants at Mahala Scheme Jaipur 2. Annual Maintenance of Community Centre Sector -26, Pratap Nagar Sanaganer Jaipur are invited from interested bidders from 01.07.2024 to 10.07.2024 up to 6:00 PM. Other particular of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state & https://rhb.rajasthan.gov.in of the department website.
UBN : 1 RHB2425WSOB00051 2. RHB2425WSOB00052
Raj.Samwad/C/24/1427 Resident Engineer, DIV X, Jaipur

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा
क्रमांक:-एफ 3/लेखा/24-25/772-780 दिनांक: 24.06.2024
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या: 03/2024-25
कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की ओर से अनुभवी संवेदकों / सेवा प्रदाता एजेन्सियों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से निम्नांकित 01 कार्य (UIK2425WLOB00143) हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/urban.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।
अधिशाषी अभियंता
राज./संवाद/सी/24/1380 कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर
Email:-dio.jlr@rajasthan.gov.in, पता : नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड, जालोर
क्रमांक / सान्याअधि/2024/440 दिनांक :- 20.06.2024
ई-निविदा सूचना 02/2024-25
कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर के अधीन छात्रावासों में चौकीदार व रसोईया जॉब बेसिस पर कार्य कराने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि का सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है
NIB No-SOC2425A0025
UBN No-SOC2425SLOB00039
उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
विभाग जालोर
DIPR/C/5036/2024

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :– जसअ/2023–24/28 दिनांक : 24.06.2024
ई–निविदा सूचना क्रमांक :– 8/2024–25
SUPPLY, DELIVERY AND INSTALLATION OF STATIC COMPACTOR MACHINES, HOOK LOADERS AND CONTAINERS WITH OPERATION & MAINTENANCE AND TRANSPORTATION OF WASTE हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2425GLOB00136 पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/1293 उपायुक्त (गैराज)

Bureau of Investment Promotion Rajasthan
Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur
BIP/Info/196 Date: 05.06.2024
Information of Extension of Dates
An addendum has been published regarding the RFP for procurement of services of Creative Design Partner from reputed, interested, eligible and experienced Professional firms for Bureau of Investment Promotion, Jaipur (a Government of Rajasthan undertaking). The date for online submission of bid has also been extended upto 2:00 PM of 12.07.2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portals: (http://eproc.rajasthan.gov.in) and (http://sppp.raj.nic.in) of the state.
UBN No. BIP2425SLOB00004
Raj.Samwad/C/24/1368 Commissioner (Inv. & NRIs)

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण
पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर
टेलीफोन नम्बरः 0141–2600032 ई–मेल आई.डी. adma.jaipur@gmail.com
क्रमांकः कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2024–25/731 दिनांकः 25.06.2024
ई–बिड़ संख्या–03/2024–25
आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में विभिन्न 03 कार्यों हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई–प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है। (ई–बिड संख्या–03/2024–25 की कुल लागत राशि रूपये 160.19 लाख) NIB ADA2425A0003
बिड यू.बी.एन. नम्बर :– 1. ADA2425WSOB00006
2. ADA2425WSOB00007 3. ADA2425WSOB00008
राज.संवाद/सी/1375/2024–25 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लि.
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
एसबीयू एण्ड पीसी– रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा, पी.ओ.– झामरकोटड़ा–313015, वाया एवं जिला– उदयपुर (राजस्थान) ई मेलः– luckybhargava.rsmml@rajasthan.gov.in
ई–निविदा सूचना दिनांक .25.06.2024

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
E-Tender No. 03/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GLOB00042	सप्लाई ऑफ एम एस इ आर डब्ल्यू ब्लैक स्टील पाइप, अनुमानित राशि 19,75000/–, धरोहर राशि 39,500/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–
E-Tender No. 04/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GSOB00043	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ एल टी स्टार डेल्टा स्टार्टर पैनल सेट, अनुमानित राशि 8,00,000/–, धरोहर राशि 16,000/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–
E-Tender No. 05/24-25 दिनांक 19.06.2024 खोलने की दिनांक 10.07.2024 UBN No. MML2425GLOB00044	सप्लाई इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ 3 पोल, 145 केवी, एस एफ 6 सर्किट ब्रेकर, अनुमानित राशि 10,78,000/–, धरोहर राशि 21,600/– निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– प्रोसेसिंग राशि 1000/–

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com/ www.sppp.rajasthan.gov.in, अथवा उप महाप्रबंधक (मटेरियल मैनेजमेंट) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/1363 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
भू– तल, ब्लॉक–6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर।
फोन नं: 0141–2700459 E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांकः– F-5(1)(260)RCSCE/Civil /SMSA/NIT 04 2024-25 /2024/Vol-2/D-2123 दिनांकः 26.06.2024
ई–निविदा सूचना संख्या 04 (सिविल)/2024–25
(राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल/डाईट/एससीआरटी के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु)
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा एवं नाबार्ड योजनान्तर्गत स्वीकृत 39 राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हॉस्टल/डाईट/एससीआरटी के निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु राशि रू. 16583.51 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 204.46 लाख से 744.73 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदाऐं 28/06/2024 प्रातः 10.00 बजे से 18/07/2024 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी ।

UBN NO.-RSE2425WLOB00309
राज.संवाद/सी/24/1392 राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा

निदेशक
महानिदेशक, गृह रक्षा, राजस्थान, जयपुर
फोन :- 0141-2612591, फैक्स : 0141-2612592, ई-मेल : store.hghq.ra@rajasthan.gov.in
क्रमांक : निगृर/भण्डार/18/खाली कारतूस/2022-23/-00083/8124498 दिनांक : 24.06.2024
नीलामी सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गृह रक्षा विभाग में प्रयोगशुदा कारतूसों के खाली खोखों से प्राप्त निम्नांकित धातुओं की सिल्लीयों की खुली नीलामी दिनांक 22.07.2024 को दोपहर 12.00 बजे आलू फैक्ट्री, एमआई रोड़, केन्द्रीय शस्त्र भण्डार गृह रक्षा, जयपुर में नियमानुसार गठित समिति द्वारा की जायेगी

क्र. सं.	धातु का नाम	अनुमानित मात्रा	बोली अमानत राशि (रुपये में)
1	पीतल	7474.01 किग्रा.	50,000
2	तांबा	67.520 किग्रा.	1,000
3	एल्यूमिनियम	53.140 किग्रा.	500
4	सीसा	356.240 किग्रा.	1000
5	खाली बॉक्स लोहा	लगभग 7734.00 किग्रा.	4000
6	केरियर लोहा फ्रेम	लगभग 2331 किग्रा.	
7	ड्रम लोहा (20 लीटर)	लगभग 12.5 किग्रा.	
8	एम.टी. केश 45 बॉल टी.एम.सी. (लोहा)	लगभग 50.00 किग्रा.	

नोट :– नीलामी की विस्तृत शर्ते किसी भी कार्य दिवस को निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा विभागीय वेबसाइट http://www.home.rajasthan.gov.in/homeguards अथवा राजस्थान सरकार के राज्य लोक उपापन पोर्टल (http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखी जा सकती है। UBN No.:- HGR2425WSLB00001
(डॉ. विष्णु कान्त)
महानिरीक्षक पुलिस, गृह रक्षा, राजस्थान, जयपुर
DIPR/C/5015/2024

द्विवर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन

■ वेटरनरी विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की 27 वीं बैठक में इस प्रस्ताव पर की चर्चा
■ पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों के रजिस्ट्रेशन कार्ड ऑनलाइन से भरने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय की 27वीं अकादमिक परिषद् की बैठक कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. गर्ग ने अकादमिक परिषद् के सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं गत बैठक के सभी बिन्दुओं पर विचार विमर्श करते हुए कार्य अनुपालना को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

बैठक में वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक वेटरनरी महाविद्यालय, जोधपुर में सत्र 2024-25 से द्विवर्षीय पशुपालन डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार एवं अनुमोदन किया गया। परिषद् ने विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में 30 जून तक बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच., पी.जी. एवं पी.एच.डी. के जारी परिणामों के विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में शामिल कर डिग्री देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक में शैक्षणोत्तर एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों के रजिस्ट्रेशन कार्ड ऑनलाइन माडूल्स से भरने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया। अकादमिक परिषद् ने विद्यार्थियों के स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों के आई.सी.ए.आर. द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के स्कोर के आधार पर यू.जी.सी. के नियमानुसार वर्ष में दो बार प्रवेश अनुमति के प्रस्ताव पर चर्चा एवं अनुमोदन किया गया ताकि वंचित

वेटरनरी विश्वविद्यालय की 27 वीं अकादमिक परिषद् की बैठक को कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने सम्बोधित किया।

सीटों का पुनः भरण किया जा सके। इसके अलावा बैठक में विद्यार्थियों के परीक्षा में बैठने हेतु 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता, डेयरी महाविद्यालयों, में लेट रजिस्ट्रेशन हेतु निश्चित समय एवं शुल्क निर्धारित करने के प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में कुलसचिव बिन्दु खत्री द्वारा बैठक में एजेण्डे प्रस्तुत किये गये तथा अकादमिक परिषद् के सदस्यों द्वारा विभिन्न एजेन्डों का अनुमोदन किया गया। बैठक में वित्त नियन्त्रक बी.एल. सर्वा, प्रो. ए.पी. सिंह, प्रो. हेमन्त दाधीच, प्रो. आर.के. धूड़िया, प्रो. एस.के. शर्मा, डॉ. एस.पी. जोशी, डॉ. सुचिस्मिता चटर्जी, प्रो. उर्मिला पानू, प्रो. बसन्त बैस, प्रो. बी.एन. श्रृंगी एवं डॉ. बाबूलाल (एम.डी. उरमूल) एवं अकादमिक परिषद् के अन्य मनोनीत सदस्य उपस्थित थे। बैठक में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रवीण बिश्नोई, अकादमिक परिषद् के सदस्य डॉ. संजय शर्मा (पंतनगर), डॉ. उदयवीर चहल (लुधियाना), प्रो. शीला चौधरी (जयपुर), प्रो. धर्म सिंह मीना (जयपुर) व प्रो. रोहिताश दाधीच ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

फोटो कैप्शन तीन एफ- वेटरनरी विश्वविद्यालय की 27वीं अकादमिक परिषद् की बैठक को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग।

36-वेटरनरी विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह की तैयारियों हेतु समीक्षा बैठक

बीकानेर, 28 जून। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के आगामी सातवें दीक्षांत समारोह के आयोजन हेतु विभिन्न तैयारियों एवं सुझावों हेतु कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने बताया कि वेटरनरी विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह आगामी 29 जुलाई को आयोजन किया जायेगा। कुलपति प्रो. गर्ग ने दीक्षांत समारोह के गरिमामय आयोजन हेतु स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति हेतु कुल डिग्रियों की संख्या, स्वर्ण एवं रजत पदक, समारोह आयोजन का स्थान, विशिष्ट अतिथियों हेतु प्रस्तावित नाम आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कुलपति प्रो. गर्ग ने बताया कि दीक्षांत समारोह में गरिमामय आयोजन हेतु गठित विभिन्न कमेटियों का समयानुसार आवश्यक तैयारियों हेतु पुनः निर्देशित किया गया है। बैठक में विश्वविद्यालय के डीन डायरेक्टर एवं अधिकारी मौजूद थे।

डी.एल.सी. की प्रस्तावित दरों पर चर्चा

श्रीगंगानगर, (कासं)। डीएलसी की प्रस्तावित दरों पर विचार-विमर्श के लिये शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में बैठक हुई।

इस दौरान गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी और सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ भी मौजूद थे। बैठक में राज्य सरकार के निर्देशानुसार और बाजार दर के अनुसार प्रस्तावित डीएलसी दरों पर चर्चा हुई। बैठक में राज्य सरकार के निर्देशानुसार समस्त एसआर द्वारा पूर्व में अपने-अपने क्षेत्र की डीएलसी के संबंध में तैयार किये गये प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप बाजार दर के अनुसार डीएलसी हो, इसके लिये प्रस्तावित डीएलसी पर पुनर्विचार किया गया। एसआर द्वारा तैयार किये गये प्रस्तावों में कलस्टर भी कम किये गये हैं। विधायक जयदीप बिहाणी ने व्यवसायिक क्षेत्र के अनुसार डीएलसी दर में वृद्धि का सुझाव दिया। इसी तरह विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने भी नये क्षेत्रों में डीएलसी दर बढ़ाने की बात कही।

डीआईजी स्टाम्प हनुमानगढ़ श्रीमती संजू पारीक ने डीएलसी दरों के निर्धारण को लेकर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों और प्रस्तावित डीएलसी के संबंध में अवगत करवाया। बैठक में एडीएम प्रशासन वीरेन्द्र सिंह चौधरी, नगर विकास न्याय सचिव कैलाशचंद्र शर्मा, नगर परिषद आयुक्त यशपाल आहूजा, गंगानगर एसआर कृष्ण यादव, एसआर, नायब तहसीलदार सहित अन्य मौजूद थे।

सार-समाचार

कक्षा कक्ष विद्यालय को सौंपा

रा. उ. मा. वि. सुजानदेसर में एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने एक कक्षा कक्ष का निर्माण कर विद्यालय को भेंट किया।

बीकानेर, (कासं)। एनएलसी इंडिया लिमिटेड, बरसिंहसर परियोजना की सामाजिक निगमित दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की अनुशंसा से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजानदेसर बीकानेर में एक कक्षा कक्ष का निर्माण कर विद्यालय को भेंट दी गई। इसी क्रम में सीएसआर योजना के तहत बीठनोक बीकानेर में भी एक लाइब्रेरी का निर्माण कर गांव को समर्पित किया गया। इस अवसर पर एनएलसी इंडिया लिमिटेड, बरसिंहसर परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक टी. वंचीनाथन एवं उप मुख्य अभियंता अभिषेक शर्मा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजानदेसर, बीकानेर की संस्था प्रधान अर्चना गुप्ता, व्याख्याता पप्पूराम पंवार, प्रकाशचंद, महिराम डेलू आदि उपस्थित थे। उपरोक्त दोनों कार्यों पर कुल 30 लाख रूपये की राशि व्यय की गई।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सम्मानित

खुशियों का बैंक की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को सम्मानित किया।

बीकानेर, (कासं)। आर. एल. जी. संस्थान द्वारा खुशियों का बैंक योजना के अंतर्गत आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को प्रोत्साहन देने के लिए सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विभा गुप्ता व ज्योत्सना रावत ने दीप प्रज्वलन के साथ की। संस्थान अध्यक्ष डॉ. अर्पिता गुप्ता ने कहा कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के द्वारा अपने घर परिवार के साथ-साथ अन्य दायित्वों का भी निष्ठापूर्वक निर्वहन करने को प्रशंसनीय बताया। विभा गुप्ता व ज्योत्सना रावत ने कहा चाहे मां और बच्चे की दवाईयां हो, पोषक आहार या टीकाकरण हो आशा वर्कर्स द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। संस्थान द्वारा प्रशस्ति पत्र व साडियां देकर आशा बहनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वंदना भारद्वाज, प्रवीणा कौशिक, कृष्णा गहलोत, सरोज शर्मा, फूल कुमारी तंवर, बुला खत्री, शीतल बिनावरा, ज्योति मारू, मंजू कंवर, सुनीता स्वामी, परमजीत, पवन भाटी, नीरू कंवर, सीता तंवर, सरिता गौरी, सुमन गहलोत, भावना रावत, इंद्रा परिहार आदि 21 महिलाओं को सम्मानित किया।

मोटरसाइकिल मिस्त्री ने नहर में छलांग लगाकर दी जान

■ गोताखोरों ने बचाने की मशक्कत की लेकिन तब तक वह मर चुका था

श्रीगंगानगर, (कासं)। सूरतगढ़ क्षेत्र गांव ढाबां झल्लार के एक युवक ने साधुवाली के पास बारहमासी नहर में कूदकर अपनी जान दे दी। खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नहर से बाहर निकालकर परिजनों को सुपुर्द किया। गांव में गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

जवाहर नगर थाने के एएसआई राजकुमार ने बताया कि गांव ढाबां झल्लार निवासी 25 वर्षीय श्रवण पुत्र नंदराम कुहार ने बुधवार को साधुवाली गांव में बारह मासी नहर में छलांग लगा दी। नहर के पास युवक श्रवण ने अपना मोबाइल और पर्स बाहर रख दिया था। उसको नहर में छलांग लगाते को वहां होटल पर बैठे दुकानदार ने देख लिया और उसके आवाज लगाने के बाद साधुवाली के गोताखोरों ने इसे बचाने के लिए काफी मशक्कत की लेकिन तब तक डेढ़ घंटे का समय बीत चुका था। जब तक उसे नहर से बाहर निकाला तो उसकी मौत हो गई।

जांच अधिकारी ने बताया कि युवक की शादी करीब ढाई महीने पहले हुई थी। वह अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। यह युवक पहले अपने गांव में मोटरसाइकिल मिस्त्री के रूप में दुकान चलाता था। लेकिन शादी के बाद वह यहां श्रीगंगानगर में मोटरसाइकिल मिस्त्री की दुकान पर काम करने लगा। श्रवण के चाचा गांव ढाबां झल्लार निवासी इन्द्रपाल पुत्र भागीरथ की सूचना पर जवाहरनगर पुलिस ने मर्ग दर्ज की है।

मिस्त्री के परिजनों ने उससे संपर्क करने के लिए कॉल की तो उसने कॉल रिसीव नहीं की। जब परिजनों ने मिस्त्री की दुकान पर कॉल किया तो बताया गया कि वह तो दुकान पर काम करने के लिए आया नहीं है। ऐसे में परिजनों में चिंता बढ़ गई। इसके मोबाइल पर फिर कॉल की तो नहर के किनारे पड़े फोन को साधुवाली के गोताखोरों ने रिसीव कर पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया।

कॉल तब आई जब गोताखोर उसके शव को बाहर निकालने की तैयारी कर रहे थे। मृतक के परिचित ने बताया कि जब पर्स की जांच की तो उसमें ढाबां झल्लार से श्रीगंगानगर की बस टिकट मिली। वह बस से श्रीगंगानगर आया और फिर मरने के इरादे को लेकर साधुवाली नहर के पास पहुंचा।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक 30 को

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में समीक्षा बैठक आयोजित कर रही है।

जिला संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के आम चुनाव 2024 चुनाव समीक्षा बैठक 30 जून 2024 को दोपहर 1 बजे विश्नोई धर्मशाला में आहूत की गई है। जिला संगठन महासचिव प्रहलाद सिंह मार्शल ने बताया की बीकानेर शहर और देहात कांग्रेस की संयुक्त बैठक में जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गण, जिला कांग्रेस के पदाधिकारी गण, पीसीसी सदस्य, प्रदेष पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष गण, पार्षद पार्षद प्रत्याशी, सरपंच, सरपंच प्रत्याशी, जिला परिषद सदस्य, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई, सभी विभागों प्रकोष्ठों से जुड़े पदाधिकारी आमंत्रित है।

पत्नी ने पति को कमरे में बंधक बनाया

■ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पति को मुक्त करवाया
■ पत्नी ने दहेज का मुकदमा भी दर्ज करा रखा है

हनुमानगढ़, (कासं)। पति को पत्नी की ओर से दो घंटे तक कमरे में बंधक बनाने का अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। कैशियर ने किसी तरह पुलिस से संपर्क किया तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसको मुक्त करवाया।

जानकारी के अनुसार बैंक ऑफ बडौदा में कैशियर के पद पर कार्यरत उत्तम बुट्टर इंदिरा हॉस्पिटल के पीछे एक बिल्डिंग में किराये पर रहता है। शाम को उसकी पत्नी ने आपसी विवाद के चलते उसे अपने ही घर मे बंधक बना लिया। कैशियर ने आरोप लगाया कि पत्नी ने उस पर दहेज का मुकदमा भी दर्ज करवा रखा हैं। गुरूवार शाम को करीब 8:30 बजे किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया था। उसके बाद पत्नी ने उसे कमरे में बंद कर दिया।

सूचना मिलने पर सहायक उपनिरीक्षक बलवंत सिंह मौके पर पहुंचे और महिला को समझा बुझाकर उसके पति को बाहर निकाला और पुलिस थाने ले गई। उधर कैशियर की पत्नी ने आरोप लगाया कि उसका पति कई-कई दिन तक घर से बाहर रहता है। जब भी वह घर आता है तो उसके साथ मारपीट करता है तथा घर में खर्चा पानी भी नहीं देता है। इससे उसके बच्चों का पालन पोषण भी मुश्किल से हो रहा है। महिला ने बताया कि इस संबंध में उससे बात की तो वह उसके साथ मारपीट करने लगा जिससे उसके हाथ पर चोट भी लगी है। वह जाने लगा तो कमरे का गेट बंद किया था।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email- SECYUTT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Office Address :- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2024/3688 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक 28.6.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री महेश चंद्र निवासी महिपालों का मोहल्ला, वार्ड नं. 21, भादरा भद्र, हनुमानगढ़ के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित भूखण्ड रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 6 ई छोटी मुरब्बा सं. 42 किला सं. 17 से 17 व 25 माप 40 इंटू 55 फीट भूखण्ड संख्या ए-42, ज्योति नगर श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का आवासीय पट्ठ सं. 2692 दिनांक 7.2.2013 को श्री महेश चन्द पुत्र श्री जगदीश प्रसाद के नाम से जारी किया हुआ है। वर्तमान में उक्त भूखंड इन्हीं के नाम से दर्ज है।	श्री महेश चन्द महिपाल की मृत्यु दिनांक 15.3.2024 के उपरांत इनकी पत्नी निर्मला देवी द्वारा वसीयतनामा दिनांक 10.2.2024 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखंड के नामांतरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री महेश चंद्र निवासी महिपालों का मोहल्ला, वार्ड नं. 21, भादरा भद्र, हनुमानगढ़ द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पटटे के सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति उजर स्वीकार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

आज जलापूर्ति आंशिक बाधित रहेगी

बीकानेर, (कासं)। ग्रीष्मऋतु में सुचारू पेयजल आपूर्ति के लिए शोभासर फिल्टर प्लांट स्थित रॉ वाटर पंपिंग स्टेशन व स्वच्छ जल पंपिंग स्टेशन पर स्थापित मोटर पंप की सामयिक मरम्मत व अनुरक्षण का कार्य शनिवार को किया जायेगा।

जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता विनय कुमार जैन ने बताया कि इसके मद्देनजर दोपहर 2 बजे से रात्रि 9 बजे तक बीकानेर शहर के शोभासर जलाशय से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

नया शहर जोन : लोडा मोडा बगीची, हरिजन बस्ती, नत्थूसर बास, चौखूंटी-प्रथम/द्वितीय, पूगल रोड जवाहर नगर, बंगला नगर। लक्ष्मीनाथ जोन : लुहारों को मोहल्ला, गोपेश्वर बस्ती, खेतेश्वर बस्ती, चौधरी कॉलोनी, हंसा गेस्ट हाउस, नोखा रोड नं.5, सिंघिया चौक।

नत्थूसर जोन : धर्म नगर द्वार, स्वामी मोहल्ला, बी.के स्कूल, पारीक चौक, सोनगिरी कुआं, दाउजी मन्दिर, पाबू बारी, भाटोलाई, बिश्नोई मोहल्ला, रामदेव पार्क, ब्रह्म बगीची, जनता प्याऊ, श्रीरामसर, धरणीधर क्षेत्र।

गंगाशहर जोन : अंत्योदय नगर, मुरलीधर व्यास नगर, श्रीरामसर, बंगलानगर, सालमनाथ धोरा टंकी क्षेत्र, किसमीदेसर, भीनासर, सुजानदेसर, खारिया कुआं, चौधरी कॉलोनी। सर्वोदय बस्ती सभी सैक्टर रामपुरा जोन सम्पूर्ण क्षेत्र में जलापूर्ति आंशिक रूप से बाधित रहेगी।

एयर शो और विमानन प्रदर्शनी आज

बीकानेर, (कासं)। डॉ. व्यास मेमोरियल फाउंडेशन, एरो मॉडलिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से बीकानेर में एयर शो और विमानन प्रदर्शनी का कार्यक्रम 29 जून को शाम 6:00 बजे बीकानेर के डूंगर कॉलेज मैदान में आयोजित करेगा।

यह रोमांचक प्रदर्शनी पायलट कमलेश और पायलट निहाल द्वारा आयोजित की जायेगी और सभी उपस्थित लोगों के लिए एक शानदार अनुभव होने का वादा करती है।

इस कार्यक्रम का विचार विमानन उत्साही लोगों के साथ हुई महत्वपूर्ण चर्चाओं के दौरान आया था और इसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय में विमानन के प्रति उत्साह को बढ़ावा देना है।

बेटी के प्रेम विवाह से नाराज, युवक के घर को आग लगाई

■ युवती के कोर्ट मैरिज कर लेने से उसके परिजन नाराज थे

बीकानेर, (कासं)। बेटी द्वारा अंतरजातीय विवाह के बाद युवक से प्रेम विवाह किए जाने से गुस्साए परिजनों ने युवक के घर को आग लगा दी। आग से घर का सारा कीमती सामान जलकर राख हो गया।

लड़की के परिजनों के घर में आगजनी का किसी ने वीडियो बना लिया। शहर के चौपड़ा बाडी के रहने वाले राजाराम सोनी के पुत्र रमन सोनी ने अपने घर के पास रहने वाली निशा चौधरी पुत्री भंवर लाल चौधरी ने 19 मई को कोर्ट मैरिज कर ली। जिसका लड़की के परिजन विरोध कर रहे थे। रमन सोनी की मां निर्मला देवी ने बताया कि रमन सोनी और निशा चौधरी ने 19 मई को कोर्ट में प्रेम विवाह किया था। जब निशा के परिजनों को इसका पता चला तो उन्होंने रमन के परिजनों जान से मारने की धमकियां देने लगे। बुधवार देर रात को निशा के परिजनों और रिश्तेदारों ने आकर उनके घर को आग लगा दी, जिससे उनका कीमती सामान जलकर राख हो गया।

निर्मला ने कोर्ट मैरिज से संबंधित दस्तावेज दिखाते हुए जिला पुलिस अधीक्षक से अपने परिजनों की जान माल की सुरक्षा की मांग की।

बहु को जहर देने का आरोप : ससुर ने बहू को नींबू पानी में जहर देकर मारने का प्रयास किया। इस आशय का मामला देशनोक थाने में दर्ज किया गया है। पीड़िता जशोदा पत्नी सुनील कुमार है। जो कि देशनोक की वार्ड 10 की निवासी है। पीड़िता की ओर से पुलिस को मिले परिवाद में पीड़िता ने अपने ससुर अन्नाराम पर आरोप लगाया है कि उसको जान से मारने की नियत से नींबू पानी में जहर मिलाकर दे दिया। जिसको पीने से उसकी तबीयत बिगड़ गई।

पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर, (राज.)
क्रमांक :- नियमन/ 2024 / 3679 दिनांक : 26/06/2024
सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ, रूपान्तरित योजना में श्रीमती अन्नू सिंगला पत्नी श्री दीपक सिंगला एवं श्री दीपक सिंगला पुत्र श्री अशोक सिंगला निवासी नोहरा नं. 75, पुरानी धानमण्डी श्रीगंगानगर द्वारा स्वामित्व के दस्तावेज एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पट्टे का समर्पण कर भूखण्ड की लीज हस्तान्तरित करवाते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड के संबंध में न्यास रिकॉर्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है:-

भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 10 के किला नं. 13 में भू.स. एफ-19, एफ-20 एवं एफ-21 प्रत्येक माप 30 इन्टू 60 फीट	क्रमशः आवासीय नियमन पट्टा संख्या 3509 दिनांक 31.03.2005 व 3511 दिनांक 31.03.2005 बालकृष्ण तनेजा पुत्र श्री मुकन्द लाल, पट्टा संख्या 3512 दिनांक 31.03.2005 को शांति तनेजा पत्नी श्री मोती लाल को के नाम से जारी किया हुआ है।	भूखण्ड संख्या एफ-19 नामान्तरण उपरान्त श्री दीपक सिंगला पुत्र श्री अशोक कुमार सिंगला के नाम दिनांक 08.07.2021 को दर्ज है एवं भूखण्ड संख्या एफ-20 व एफ-21 नामान्तरण उपरान्त श्रीमती अन्नू सिंगला के नाम दिनांक 18.06.2021 को दर्ज है। उक्त तीनों भूखण्ड का भूखण्डधारी द्वारा फ्री होल्ड पट्टा हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। इस संबंध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

ए.सी.पी. नोशनल लाभ के लंबित प्रकरणों को लेकर शिक्षक संघ का धरना-प्रदर्शन

■ नोशनल परिलाभ के प्रकरणों का आदेश जारी करने पर सहमति बनी

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) जिला शाखा बीकानेर द्वारा एसीपी नोशनल परिलाभ के लंबित प्रकरणों को लेकर आज कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर के समक्ष एक दिवसीय विशाल धरने का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के सभी ब्लॉकों से सैकड़ों की संख्या में प्रभावित शिक्षकों ने भागीदारी निभाई।

जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र भाटी ने बताया कि संगठन के शिष्टमंडल ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान महेन्द्र शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा गजानंद सेवग से वार्तो कर लम्बे समय से लंबित एसीपी नोशनल परिलाभ के प्रकरणों का समाधान निकाल कर आदेश जारी करने के संबंध में विस्तारपूर्वक वार्ता की।

एसीपी नोशनल लाभ के लंबित प्रकरणों को लेकर शिक्षक संघ (शेखावत) ने डी.ई.ओ. कार्यालय पर धरना दिया।

जिसके परिणाम स्वरूप वार्ता में सहमति बनी कि कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारंभिक शिक्षा, बीकानेर में लंबित एसीपी नोशनल परिलाभ के आदेश जारी करने की प्रक्रिया आज ही अविलम्ब शुरू कर दी जायेगी। यदि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या नहीं आई तो आज ही प्रथम आदेश जारी कर दिया जायेगा।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर में लंबित एसीपी नोशनल परिलाभ प्रकरणों के आदेश जारी करने की प्रक्रिया सोमवार या मंगलवार तक शुरू कर दी जायेगी। जिला मंत्री महेन्द्रपाल भंवरिया ने बताया कि आज के विशाल धरने में प्रदेश उपसभाध्यक्ष रेवंत राम गोदारा, प्रदेश मंत्री श्रवण पुरोहित, शिक्षक नेता भंवर पोटलिया, ओम सारस्वत, आदूराम मेघवाल, शिव शंकर गोदारा, जयपाल कूकणा, भंवर सांगवा, गणेश चौधरी, रामनिवास गोदारा, देवेंद्र जाखड़, मनीष ठाकुर, महेंद्र पंवार, के. आर. सियाग मौजूद थे।

अस्पताल में ठंडे पानी की मशीन लगाई

बीकानेर, (कासं)। श्री किसन ज्वैलर्स एण्ड संस तेलीवाड़ा परिवार की ओर से जनहितार्थ शहर के जाने-माने समाजसेवी भामाशाह किशन सोनी की याद में उनके पुत्रों अनिल सोनी झूमरसा, सुनील सोनी बच्चू बाबू की ओर से पीबीएम अस्पताल के एक्स और वाई वार्ड में प्याऊ का पुनः निर्माण कराया गया है। साथ ही साथ आंखों के अस्पताल में ठंडे पानी की नई मशीन लगाई है

इसके अलावा नर सेवा नारायण सेवा के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से सोनी बंधुओं ने जलसेवा के माध्यम से न केवल स्वयं बल्कि अन्य लोगों को भी भागीदार बनाया है।

शहर की जीर्ण-शीर्ण पड़ी प्याऊ का जीर्णोद्धार व सुचारु करवाने का कार्य तथा वर्षों से बंद पड़ी अथवा वाटर कूलर जल टैंकर अथवा जल मंदिर प्याऊ की व्यवस्था में जनसहयोग से किसी भी प्रकार की कमी न हो ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज.आवा.मण्डल अधिनियम 1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted Under RHB Act 1970)
वृत-बीकानेर, **Circle-Bikaner**
क्रमांक:-उआआ/आरएचबी/बीका/2024-25/261 दिनांक :- 27/6/2024

आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की सामान्य पंजीकरण योजना-1979 में चालान संख्या 47911द्वारा राशि रू.4600/- जमा करवाकर श्री रामजीलाल पुत्र श्री लक्ष्मण राम ने आवास आवंटन हेतु पंजीकरण करवाया था। आवटी को आवास सं.1-अ-10 पवनपुरी, बीकानेर का कुल क्षेत्रफल 333वर्गमीटर का आवंटन पत्र क्रमांक 2592 दिनांक 01.10.1983 को जारी किया गया था। मूल आवंटी श्री रामजी लाल पुत्र श्री लक्ष्मण राम के नाम मण्डल रिकॉर्ड के अनुसार दिनांक28 .12.1990 कन्वेशडीड/परिपिज्युल को जारी कर दी गई थी। उक्त आवास उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर में दिनांक 29.12.1990 को पंजीकृत हैं।

तत्पश्चात श्री रामजी लाल की मृत्यु दिनांक 16.03.2012 एवम् उनकी धर्मपत्नि नाथी देवी की मृत्यु दिनांक 15.12.2017 को हो जाने कारण उनकी दो पुत्रीयों1 .श्रीमति शांता 2. श्रीमति सरस्वती पोहड ने मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार के घोषणा पत्र, समस्त पंजीयन प्रपत्रों की छायाप्रति एवम् निर्धारित शूल्क जमा करा दिया। उक्त आवास1 .श्रीमति शांता 2. श्रीमति सरस्वती पोहड के नाम किया गया। श्रीमति शांता ने अपने हिस्सा का श्री राहुल वर्मा पुत्र श्री कृष्ण कुमार को मुख्त्यारआम से बैचान किया गया। उक्त मुख्त्यारआम दिनांक 16.02.2022 से पंजीकृत हैं। श्री राहुल वर्मा पुत्र श्री कृष्ण कुमार ने उक्त आवास गिफ्ट डीड के माध्यम से श्रीमति सरस्वती पोहड के नाम किया गया। उक्त गिफ्ट डीड उप पंजीयन कार्यालय बीकानेर से दिनांक 30.09.2022 से पंजीकृत हैं।

श्रीमति सरस्वती पोहड पत्नि श्री टीकमचन्द ने समस्त पंजीयन प्रपत्रों की सत्यापति छायाप्रति, निर्धारित शुल्क की रसीद जमा करवाकर मण्डल रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन किया है। श्रीमति सरस्वती पोहड पत्नि श्री टीकमचन्द का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज करने की कार्यावाही विचाराधिन है। यदि किसी व्यक्ति/हितकारी को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 10दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमति सरस्वती पोहड पत्नि श्री टीकमचंद का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर लिया जाएगा। यदि उक्त आवास में उनके वारिसों एवम् अन्य कोई भी व्यक्ति द्वारा न्यायालय/पुलिस थाना में किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद पाया गया तो आवंटी स्वयं जिम्मेदार होगा।

सहायक आवासन अधिकारी
राजस्थान आवासन मण्डल
वृत्त बीकानेर

असंयमित दिनचर्या के कारण होती है हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं : मनोज दीक्षित

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग, इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी और हैल्थ रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में चालीस दिनों तक चले नि:शुल्क ब्लड प्रेशर जांच तथा सलाह शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान लगभग सात हजार लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

अंतिम दिन महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में शिविर आयोजित किया गया। इसमें सौ से अधिक लोगों के ब्लड प्रेशर की जांच की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित थे। उन्होंने कहा कि जानकारी और जागरूकता के अभाव तथा असंयमित दिनचर्या के कारण हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्या हमारे सामने आती है। इस ओर ध्यान नहीं देने के कारण हार्ट अटैक और लकवे जैसी गंभीर बीमारी होने की संभावना बन जाती है।

ऐसी समस्याओं से बचने के लिए संयमित दिनचर्या अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि चारों संस्थाओं द्वारा लगाये गए शिविर इस दिशा में सकारात्मक साबित होंगे। इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन के फैलो और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. बी. के. गुप्ता ने बताया कि संस्था द्वारा दुनिया के 90 देशों में पिछले आठ वर्षों से बीपी से जुड़े आंकड़े लिए जा रहे हैं। जो कि हाई ब्लड प्रेशर से संबंधित अध्ययन में मदद देंगे।

उन्होंने बताया कि सोसायटी द्वारा पिछले तीन सालों से ऐसे शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। जिले ने सोसायटी को सबसे व्यवस्थित डाटा दिए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भी पीबीएम अस्पताल के मेडिसिन विंग में नियमित शिविर हुए। इस दौरान मरीजों के साथ उनके परिजनों के ब्लड प्रेशर की जांच भी की गई।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने बताया कि इस दौरान न्यायालय परिसर, पुलिस लाइन, वरिष्ठ जन भ्रमण पथ, केन्द्रीय कारागृह सहित अन्य स्थानों पर भी शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस अभियान का अगला चरण जल्दी ही शुरू किया जायेगा। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के जिला चेयरमैन राजेन्द्र जोशी ने कहा कि सोसायटी द्वारा अंगदान और रक्तदान के प्रति जागरुकता, नशा मुक्ति सहित सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयमित दिनचर्या अपनाकर और नशे से दूर रहकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पूरे अभियान में सहयोग करने वाले 47 लोगों को प्रमाण पत्र दिए गए। डॉ. धर्मेश ने सोसायटी की गतिविधियों के बारे में बताया। सोसायटी के जिला वाइस चेयरमैन डॉ. तनवीर मालावत ने आभार जताया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव हरि सिंह मीणा, वित्त नियंत्रक अरविंद बिश्नोई सहित अन्य कार्मिक मौजूद थे। अतिरिक्त कुल सचिव डॉ. बिठ्ठल बिस्सा ने आभार जताया।

अंतिम दिन महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित शिविर में बी.पी. की जांच करते चिकित्सक।

- चालीस दिवसीय बीपी जांच एवं सलाह शिविर सम्पन्न
- ब्लड प्रेशर के कारण हार्ट अटैक और लकवे जैसी गंभीर बीमारी होने की संभावना बनती है
- सौ से अधिक लोगों के ब्लड प्रेशर की जांच की गई

डायरिया की रोकथाम के लिए चलेगा अभियान

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में डायरिया की रोकथाम के लिए 1 जुलाई से 31 अगस्त तक अभियान चलाया जायेगा। इस संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से विस्तृत गाइडलाइन जारी कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि इस बार की थीम डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान रखी गई है। उन्होंने बताया कि अभियान 8 सप्ताह के लिए चलाया जायेगा। इन आठ सप्ताह में आशाएं 5 साल तक के बच्चों का घर-घर जाकर सर्वे करेंगी और ओआरएस के पैकेट तथा जिंक टेबलेट्स का वितरण करेंगी।

एसीएमएचओ डॉ. ज्योति धींगड़ा ने बताया कि सभी राजकीय चिकित्सालयों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथ आंगनबाडी केन्द्रों पर ओआरएस जिंक कार्नर स्थापित किए जायेंगे। इस दौरान उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को डायरिया के लक्षण और बचाव के प्रति जागरूक भी किया जायेगा। इन कॉर्नर्स की मदद से ओआरएस तथा जिंक टेबलेट्स का निशुल्क वितरण भी किया जायेगा। अभियान से पूर्व सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों पर डायरिया नियंत्रण अभियान को गति देने के लिए ओआरएस, जिंक टेबलेट्स की आपूर्ति की जायेगी।

सार-समाचार

जीवों की सेवा करें : बैद

बीकानेर ब्रांच के अध्यक्ष सीए जसवंत सिंह बैद ने सीए दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की बीकानेर ब्रांच के अध्यक्ष सीए जसवंत सिंह बैद ने बताया कि आज आईसीएआई भवन में सीए दिवस के उपलक्ष में बीकानेर में जन सेवा संस्थानों में आवर फॉर नेशन रॉबिन हुड आर्मी असहाय सेवा संस्थान मनीष पारीक युवा गौ सेवा समिति समाजसेवी प्रेमी आदर्श शर्मा जीव दया सेवा समिति सृजन भविष्य का रोग निदान सेवा संघ नंदन गौशाला सेवा समिति श्री कृष्ण सेवा संस्थान रक्त सेवी संस्थान आपणो गांव श्रीडूंगरगढ़ सेवा समिति मुंधडा चैरिटेबल ट्रस्ट अपना घर आश्रम वीरा सेवा सदन करणी आवास योजना फैमिलियल फॉरेस्ट्री रामलाल सूरज देवी रांका चैरिटेबल ट्रस्ट कल्याण भूमि प्रन्यास खिदमतगार खादिम सोसायटी मानव सेवा समिति जेठमल बोथरा गौ सेवा मातृ सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट युवा गौ सेवा समिति बीकानेर का कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सम्मान किया गया। सेवा मनुष्य का मूल स्वभाव है जो बताता है कि आप भीतर से सुखी समृद्ध और संतुष्ट व्यक्ति है सेवा करने से न सिर्फ ईश्वर का आशीर्वाद बरसता है बल्कि इससे आपको खुद भी संतोष का परम अनुभव प्राप्त होता है। सेवा के लिए पैसे जरूरी हो सकते हैं लेकिन सबसे बड़ी जरूरत समय व श्रद्धा की होती है। सच्ची भावना के साथ की गई सेवा ही असली सेवा है। इंसान को यही प्रयास करना चाहिए कि वह सच्चे मन से पूरी ईमानदारी के साथ इंसान और जीवों की सेवा करें सेवा से शत्रु भी मित्र हो जाता है। इसे करने के लिए प्रेम करुणा की जरूरत होती है। हमें अपने आचरण में सदैव सेवा का भाव निहित रखना चाहिए जिससे अन्य लोग भी प्रेरित हो सके। आज के कार्यक्रम में ब्रांच उपाध्यक्ष सीए हेतराम पूनिया, ब्रांच सचिव सीए अभय शर्मा, ब्रांच सीकासा अध्यक्ष राहुल पचीसीया, ब्रांच कार्यकारिणी सदस्य सीए अंकुश चौपड़ा, भूतपूर्व अध्यक्ष सीए वीरेंद्र सुराणा व अन्य सीए सदस्य उपस्थित थे।

नवीन अपराधिक कानूनों की जानकारी दी

झुंझुनूं, (निसं)। एसडीएम सुमन सोनले की अध्यक्षता में नए आपराधिक कानून विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अभियोजन विभाग के सहायक निदेशक प्रमोद कुमार हटवाल, अभियोजना अधिकारी मदनलाल वर्मा एवं सुरेखा ने संगोष्ठी में एक जुलाई से लागू होने वाले नए कानूनों के संबंध में हुए बदलाव के बारे में जानकारी दी। तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को लाने का उद्देश्य जांच और न्याय प्रणाली को सभी के लिए सहज और सुलभ बनाना है। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि इस नई संहिता एवं अधिनियमों के बारे में आवश्यक रूप से अध्ययन करना चाहिए इसके अलावा आमजन को भी इसकी जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता में आईपीसी के अधिकांश अपराधों को बरकरार रखा गया है एवं इसमें सामुदायिक सेवा को भी सजा के रूप में शामिल किया गया है। संगोष्ठी में प्रदीप जांगिड़, सुनील महला सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

क्लेम के दो लाख का चैक सौंपा

रतनगढ़, (निसं)। बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शाखा रतनगढ़ द्वारा गांव गोलसर में चौपाल का आयोजन किया गया। सरपंच संघ अध्यक्ष, सरपंच गोलसर उमेद सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित चौपाल में बैंक शाखा प्रबंधक मुरली मनोहर शर्मा द्वारा सुंदरलाल पुत्र आशाराम मेघवाल की मृत्यु उपरांत उसकी पत्नी मंजू देवी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत दो लाख रुपए का बीमा क्लेम का चैक सौंपा साथ ही चौपाल में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। सरपंच संघ अध्यक्ष राठौड़ ने बैंक द्वारा इस जागरूकता अभियान के तहत कार्य की सराहना की एवं बीमा क्लेम स्वीकृत करने हेतु बैंक प्रबंधक का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्याम लाल चिनिया, लक्ष्मण कड़वासरा, भंवरलाल चिनिया सहित सैंकड़ों ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्रकाश सैनी उपाध्यक्ष बने

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के नवलगढ़ उपखंड के झाझड़ के प्रकाश सैनी के राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनने पर क्षेत्रवासियों ने खुशी जताई है। वे वर्तमान में सहायक अनुभागाधिकारी पद पर कार्यरत हैं। गौरतलब है कि जयपुर के शासन सचिवालय परिसर में गुरूवार को राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व मुख्य सचिव सुधांश पंत की उपस्थिति में झाझड़ निवासी प्रकाश सैनी को उपाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई तथा उनका स्वागत किया गया।

सम्मान समारोह का आयोजन कल

झुंझुनूं, (निसं)। अखिल भारतीय रैगर महासभा जिला शाखा झुंझुनू के द्वारा 30 जून रविवार को सुबह 10 बजे से चूरू रोड स्थित अंबेडकर भवन में रैगर समाज के राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें समाज के शेखावाटी क्षेत्र में पदस्थापित राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का भी अभिनंदन भी किया जाएगा।

यातायात में बाधक बने ई रिक्शा चालकों के सत्यापन की मुहिम

श्रीगंगानगर, (कासं)। ई-रिक्शा के लिए भी ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। ज्यादातर ई रिक्शा चालक अप्रशिक्षित चालक हैं। ऐसे में इन नौसिखिए चालकों के कारण दुर्घटना होने की अधिक आंशका रहती है।

पुलिस अधीक्षक ने शहर को आदर्श ट्रैफिक जोन बनाने की घोषणा कर यातायात में बाधक बनें ई रिक्शा चालकों के सत्यापन कराने की मुहिम शुरू की है। यातायात पुलिस ने अब ऐसे कई रिक्शा चालकों की बॉयोडाटा बनाना शुरू किया है। विदित रहे कि ई-रिक्शा से मुख्य मार्गों पर जाम लगना आम हो गया है।

व्यापारियों की मानें तो ई-रिक्शा से यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। रेहड़ी पर सब्जी बेचने वाले कई लोग तो ई रिक्शा खरीदकर ट्रांसपोर्टर बन गए हैं। इन चालकों ने यूनियन तक बना ली है। परिवहन विभाग ने पिछले पांच साल में एक भी ई रिक्शा चालक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। यातायात पुलिस की तरफ से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होती।

अधिवक्ता सुरेन्द्रपाल सिंह का कहना है कि ई रिक्शा चालकों का रूट भी तय किया जाना चाहिए। युवा शिवम शर्मा ने बताया कि रेलवे स्टेशन के बाहर रोड पर चौबीस घंटे चक्का जाम की स्थिति रहती है। आधी रात को लम्बी दूरी की ट्रेनें यहां आती है तब सवारियों को स्टेशन से बाहर आने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

इस पीड़ा को दूर करने के लिए पुलिस को अब सख्त कदम उठाने की जरूरत है। ई रिक्शा चालक हरीश का कहना है कि ढाई साल पहले वह घर पर ही परचून की दुकान करता था लेकिन ज्यादा कमाई के चक्कर में ई रिक्शा चलाने लगा। अब उसके पास दो ई रिक्शा हो गए हैं। इसमें एक को किराये पर दे रखा हैं। ई-रिक्शा की बिक्री करने वाली कंपनी ही चालकों को प्रशिक्षित करती है। 10 दिन के प्रशिक्षण के बाद कंपनी प्रमाण पत्र भी जारी करती है। प्रमाण पत्र के आधार पर चालक लाइसेंस के लिए आनलाइन आवेदन करते हैं। लेकिन इलाके में अधिकांश बिक्री करने वाले शोरूम संचालक यह प्रक्रिया नहीं अपना रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर प्रत्येक ई रिक्शा पर नम्बर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नौसिखिए चालकों की पहचान के लिए धरपकड़ कर पूछताछ की जा रही हैं। पूरी कुंडली बनने के बाद ही यह पता लग सकेगा कि शहर में कितने ई रिक्शा सड़कों पर दौड़ रहे हैं। नियमानुसार विक्रय करने वाली कंपनियों के शोरूम संचालकों की ओर से पंजीयन करवाने चाहिए लेकिन यह काम नहीं हो रहा है।

- ई-रिक्शा के लिए भी ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है, ज्यादातर ई रिक्शा चालक अप्रशिक्षित हैं
- ऐसे में इन नौसिखिए चालकों के कारण दुर्घटना होने की अधिक आंशका रहती है

86 कैंसर रोगियों की स्क्रीनिंग की

चिड़ावा, (निसं)। राजकीय उप जिला अस्पताल में शुक्रवार को कैंसर स्क्रीनिंग शिविर लगाया गया। शिविर में सुबह नौ से शाम पांच बजे तक 86 रोगी लाभान्वित हुए।

इस शिविर का शुभारंभ पीएमओ डॉ.सुमनलता कटेवा ने किया। पीएमओ डॉ.कटेवा ने इस दौरान कहा कि समय पर उपचार करवाने पर कैंसर का इलाज संभव है। उन्होंने कैंसर रोकथाम के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करने की बात कही। नोडल अधिकारी डॉ.भंवरलाल सर्वा ने शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने रोगियों की जांच कर परामर्श दिया। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने कैंसर के लक्षण, बचाव और रोकथाम से जुड़ी जानकारी भी दी। शिविर में आए कुछ रोगियों को उच्च संस्था के लिए रैफर किया भी किया गया। इस मौके पर बीसीएमओ डॉ.तेजपाल कटेवा, डॉ.सतीश भगासरा, नर्सिंग अधीक्षक रणसिंह डैला, एनओ महेश गजराज, मुकेश मान, मनोज कुमारी, मोनिका, संगीता, एलटी सुनील चौधरी, सांवरमल धाबाई, अमन स्वामी, लक्ष्मी, अजीत कुमार, डाटा ऑपरेटर सुनील कुमार, ममता सहित स्टाफ मौजूद रहा।

ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिये बढ़ेगी निगरानी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक शुक्रवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के बाद जिला कलेक्टर ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर आर्म्स और ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिये समस्त एजेंसियों को आपसी समन्वय से कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर वैध और अवैध आवागमन पर नियंत्रण के साथ-साथ सीमा क्षेत्र में आर्म्स और ड्रग्स की तस्करी रोकने के लिये समस्त एजेंसियां आपसी समन्वय से कार्यवाही करें। अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में ड्रोन गतिविधियों पर नियंत्रण के लिये बीएसएफ, आर्मी, पुलिस सहित अन्य एजेंसियों द्वारा निगरानी बढ़ाई जाये ताकि ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लग सके।

अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र में भारतमाला सड़क की सुरक्षा हेतु नये पुलिस स्टेशन, पुलिस चौकियों के निर्माण, संयुक्त नाकाबंदी पाइंट और सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ-साथ इंटरनेट व सोशल मीडिया के दुरूपयोग पर अंकुश करने पर भी चर्चा हुई।

जिला कलेक्टर ने कहा कि समस्त एजेंसियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में समुचित रूप से निरन्तर निगरानी रखी जाये ताकि अवैध गतिविधियों की रोकथाम हो सके। उपखण्ड स्तर पर एसडीएम और डीएसपी के साथ-साथ विभिन्न एजेंसियां समन्वय बनाकर कार्य करे। इस दौरान कोई समस्या आती है, तो संबंधित अधिकारी द्वारा समस्याओं का निस्तारण किया जाये।

बैठक में एसपी गौरव यादव, एडीएम सतर्कता नरेन्द्र पाल सिंह, पुलिस, बीएसएफ, आर्मी सहित अन्य मौजूद रहे।

- जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में एंजेंसियों को दिये समन्वय से कार्यवाही करने के निर्देश

महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती में अनियमितता की शिकायत

झुंझुनूं, (निसं)। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ झुंझुनूं संबंधित भारतीय मजदूर संघ एवं राजस्थान आंगनबाड़ी कर्मचारी महासंघ ने महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती 2024 में हुई अनियमितता के संबंध में शुक्रवार को एडीएम झुंझुनूं के माध्यम से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को ज्ञापन दिया गया।

आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ झुंझुनूं की जिलाध्यक्ष कृष्णा कंवर ने बताया कि 22 जून को आयोजित हुई महिला पर्यवेक्षक पद की परीक्षा में घोर अनियमितता हुई है। राज्यादेश संख्या डीओपीएफ 128, 24 अगस्त 18 को बनाए महिला एवं बाल विकास अधीनस्थ कर्मचारी सेवा नियम के अंतर्गत कुल रिक्तियों का 50 प्रतिशत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से भरे जाने हैं। राज्य सरकार की वर्तमान में निकली विज्ञप्ति के अनुसार 26 फरवरी 2024 को महिला पर्यवेक्षक के पद के लिए परीक्षा आयोजित हुई। इस परीक्षा में केवल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जिनके अनुभव दस वर्ष का है, उन्हीं को योग्य माना गया। किंतु इस परीक्षा में अनियमितता यह रही कि आंगनबाड़ी कर्मचारियों के अलावा भी अन्य महिलाओं को भी शामिल कर दिया गया है। जिसकी जांच कर आंगनबाड़ी कर्मियों को इंसाफ मिले।

शहीद अमरचंद का बनेगा स्मारक

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने 27 जून को गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय इतिहास परंपरा और पर्यावरण संगोष्ठी के समारोह के उपरांत घोषणा की गई कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए अमरचंद बांठिया का स्मारक बीकानेर में बनेगा।

बीकानेर में जन्मे अमरचंद बांठिया को रानी लक्ष्मी बाई का सहयोग करने के कारण 22 जून 1858 को ग्वालियर में फांसी दे दी गई गई थी। अमरचंद बांठिया स्मृति प्रन्यास के सह संजोयक किशोर बांठिया और डॉ धर्मचंद द्वारा प्राधिकरण अध्यक्ष लखावत को अमर गाथा पुस्तक भेंट की।

सिलवाला खुर्द की कविता बनी वॉलीबाल टीम की कप्तान

हनुमानगढ़, (कासं)। गांव सिलवाला खुर्द की होनहार वॉलीबाल खिलाड़ी कविता ने एक और उपलब्धि हासिल करते हुए अपने गांव व जिले का नाम रोशन किया है। कविता को एक जुलाई से चीन में खेली जाने वाली अंडर-20 वूमन चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम की कमान सौंपी गई है।

कविता को कप्तान बनाए जाने से गांव सिलवाला के ग्रामीणों व वॉलीबाल खिलाडियों में खुशी का माहौल है। कोच बसंतसिंह मान ने बताया कि चीन में आठ जुलाई तक वॉलीबाल चैम्पिनशिप खेली जायेगी। इसके लिए जो देश की टीम चुनी गई है। उसमें उत्तर भारत से एकमात्र खिलाड़ी कविता ही है। इससे पहले पिछले माह भारतीय सीनियर महिला वॉलीबाल टीम में कविता का चयन किया गया था।

भारतीय टीम से खेलते हुए कविता ने फिलीपिंस के मनीला में आयोजित एशिया चैलेंज कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। इसके चलते उसको अंडर-20 टीम का कप्तान बनाया गया है। गांव सिलवाला खुर्द में गांव के लड़के व लड़कियों को प्रशिक्षण देकर इस मुकाम पर पहुंचान में वॉलीबाल कोच बसंतसिंह मान निरंतर जुटे हुए हैं। उनके मार्गदर्शन में ही गांव के खिलाड़ी निरंतर उपलब्धि हासिल कर रहे हैं।

- कविता को एक जुलाई से चीन में खेली जाने वाली अंडर-20 वूमन चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम की कमान सौंपी

मथेरन कला ने बीकानेर को दिलाई नई पहचान : जेठानंद व्यास

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान ललित कला अकादमी एवं कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा राजकीय उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (आईएएसई) में आयोजित मथेरन चित्र शैली का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को संपन्न हुआ।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास थे। उन्होंने कहा कि बीकानेर कालाधर्मियों का शहर है। यहां के कलाकारों ने बीकानेर को नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि मथेरन कला पुरातन शैली है। यह लुप्त नहीं हो इसके मद्देनजर समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणार्थी यहां प्राप्त ज्ञान का व्यवहारिक जीवन में उपयोग करें।

उन्होंने अकादमी के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर मथेरण चित्रकार मूलचंद महात्मा, राजकीय उच्च अध्ययन संस्था प्राचार्य रामदेवली मीना, वरिष्ठ कलाकार महावीर स्वामी, शिविर कोर्डिनेटर डॉ. मोहन लाल चौधरी, मोना सरदार डूडी, कमल किशोर जोशी आदि उपस्थित थे। मथेरण कला की जानकारी डॉ. राकेश किराडू ने दी। कमल जोशी एवं सुनील रंगा ने बताया कि कैम्प में बनाई गई कलाकृतियों को जयपुर में प्रदर्शित किया जायेगा। राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आभार जताया तथा आगामी रंग मल्हार में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने मथेरन कला प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन कर समापन समारोह को सम्बोधित किया।

ग्राम, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर होंगी जनसुनवाई

सीकर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आदेश पर अब से ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर नियमित रूप से जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जनसुनवाई में ग्राम स्तर, ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का समाधान करेंगे। नियमित रूप से होने वाली इन जनसुनवाईयों मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी। सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग इंदिरा शर्मा ने बताया कि 4 जुलाई 2024 को गोकुल का बास, गुरारा खंडेला में ग्राम स्तरीय जनसुनवाई एवं 11 जुलाई 2024 को फतेहपुर में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई तथा 18 जुलाई 2024 को जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जिसमें जिला कलेक्टर स्वयं उपस्थित रहकर आमजन की समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2024 को जिला स्तरीय जनसुनवाई में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

सिंघाना क्षेत्र में आधे घंटे हुई बरसात से सड़कों पर भरा पानी

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर बाद बारिश का दौर शुरू हो गया। मानसून की पहली बरसात से आमजन को गर्मी से काफी राहत मिली तथा तापमान में भी आठ डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई। बरसात होने के बाद मौसम सुहावना हो गया। करीब आधे घंटे तक मध्यम बरसात होने से सड़कें दरिया बन गई, जिससे राहगीरों को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

दोपहर में बादलों की काली घटा छा जाने से वाहन चालकों को दिन में ही लाइट जलानी पड़ी। इस दौरान बरसात के कारण आसपास के क्षेत्र के निचले इलाकों में पानी घुस गया, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बरसात से कस्बे की सड़कें जलमग्न हो गई। खेतड़ी व आसपास के क्षेत्र में दोपहर को मध्यम बरसात का दौर शुरू हुआ था। सिंघाना के ग्रामीणों ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी, प्रभात कॉलोनी, मुख्य बाजार स्थित मुस्लिम बस्ती में पानी की सही निकासी नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के समय में कस्बे का पानी तेज बहाव के साथ आने से नाले उफान पर हो जाते हैं। नालों की साफ-सफाई नियमित रूप से नहीं होने के कारण उनका पानी सड़क पर आ जाता है तथा घरों में घुस जाता है। नालों से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाने से राहगीरों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण पूर्व में भी कई बार नगरपालिका से नालों की नियमित सफाई करने की मांग कर चुके हैं। इसके बावजूद भी नगरपालिका की ओर से आमजन की भावनाओं को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। व्यापारी मनोज कुमार, दीनदयाल ने बताया कि मुख्य बाजार से बहने वाले नालों की नियमित सफाई नहीं होने से नाले अवरुद्ध हो जाते हैं।

- आमजन का निकलना हुआ मुश्किल, गर्मी से राहत मिली

बरसात से कस्बे की सड़कें जलमग्न हो गई।

टर्न लेती पिच पर मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाना रणनीतिक चूक थी। भारत ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने हमारी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। - **जोस बटलर**

इंग्लैंड के कप्तान, सेमीफाइनल में मिली हार पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान भारत के लिए अपने 5000 रन पूरे कर लिए हैं और विराट कोहली, एमएस धोनी, अजरुद्दीन और सौरव गांगुली की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। भारत के लिए बतौर कप्तान रोहित से पहले इन चारों खिलाड़ियों ने 5 हजार या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल किया था। भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं जिन्होंने 12883 रन बनाए हैं तो एमएस धोनी 11207 रने के सात दूसरे नंबर, अजहरुद्दीन बतौर कप्तान 8095 रन बनाए थे जबकि गांगुली ने 7643 रन कप्तान के रूप में बनाए थे।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्माब्बे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

आज मिलेगा टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का चैम्पियन

बारबाडोस में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महाभिड़ंत

टी-20 में 26 मुकाबलों में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 14 बार हराया

भारत जीता तो दूसरी बार तथा दक्षिण अफ्रीका जीता तो पहली बार उठायेगा कप

बारबाडोस, 28 जून। बारबाडोस में शनिवार 29 जून को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला रात 8 बजे खेला जाना है। वहीं भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में पिछले 11 सालों का सूखा खत्म कर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी। जबकि पहले बार फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीकी टीम भी भारत के खिलाफ खिताब जीत कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करना चाहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप में किस टीम का पलड़ा भारी है? आंकड़े बताते हैं कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैचों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें टी20 फॉर्मेट में 26 बार आमने-सामने हुई है। जिसमें भारत ने साउथ अफ्रीका को 14 बार हराया है, जबकि 1 मैचोंमें हार का सामना करना पड़ा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर 2 बार आमने-सामने हुई है। दोनों बार साउथ अफ्रीकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस तरह इन आंकड़ों से साफ हे कि टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के खिलाप भारतीय टीम का दबदबा रहा है, लेकिन ये देखना मजेदार होगा कि फाइनल में क्या होता है?

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह। तथा साउथ अफ्रीका की संभावित प्लेइंग इलेवन में क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जानसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी होंगे।

मैं टी-20 वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं : द्रविड़

बारबाडोस, 28 जून। भारतीय टीम शनिवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल मैच के लिए बारबाडोस में जब मैदान पर उतरेगी तो कोच के तौर पर इस टीम के साथ राहुल द्रविड़ का ये आखिरी मैच होगा। द्रविड़ का कार्यकाल बीते नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के बाद ही खत्म हो गया था लेकिन टीम प्रबंधन ने टी20 वर्ल्ड कप तक उन्हें इस जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया था। टी20 वर्ल्ड कप के भारतीय प्रसारक ने सोशल मीडिया पर डू इट फॉर द्रविड़ ट्रेंड कर रहा है। वहीं राहुल द्रविड़ ने इस पर कहा कि, इस वैश्विक खिताब को किसी व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि टीम के लिए जीतना चाहते हैं। द्रविड़ के लिए वर्ल्ड कप जीतना कोई व्यक्तिगत गौरव का क्षण नहीं होगा ये टीम की उपलब्धी होगी। उनके मुताबिक भारत अगर वर्ल्ड चैंपियन बनता है तो ये टीम के प्रयास और रोहित शर्मा की प्रेरणादयी कप्तानी का परिणाम होगा। द्रविड़ ने अपने विचारों को साफ करते हुए स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मैं बस अच्छा क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

शेफाली का दोहरा व मंधाना के शतक से भारत का पहले दिन का स्कोर 500 के पार

शेफाली वर्मा ने एनाबेल सदरलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा, महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी

चेन्नई, 28 जून। शेफाली वर्मा (205) के एतिहासिक दोहरे शतक और स्मृति मंधाना (149) की शतकीय पारी के साथ भारत की महिला टीम ने शुक्रवार को एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये 292 रनों की रिकार्ड साझेदारी की। 52वें ओवर में डेलमी टकर ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति ने 161 गेंदों 27 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रन बनाये।

मंधाना के बाद बल्लेबाजी करने आयी सतीश शुभा (15) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। 75वें ओवर में रन लेने के प्रयास में शेफाली वर्मा दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गई। उन्होंने 197 गेंदों में 23 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (205) रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। जेमिमाह रॉड्रिग्स (55) रन बनाकर आउट हुई। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 98 ओवर में चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान हरमनप्रीत कौर नाबाद (42) और ऋचा घोष नाबाद (43) की पर थी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेलमी टकर को दो विकेट मिले। नडीन डी क्लर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट ने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन फाइनल के लिए बचाकर रखा है : रोहित

गयाना, 28 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि 15 वर्षों तक क्रिकेट खेलने के बाद फॉर्म समस्या नहीं होती, शायद उन्होंने सबसे अच्छा प्रदर्शन फाइनल के लिए बचाकर रखा हैं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में 68 रनों से मात देने के बाद विराट के प्रदर्शन पर पूछे गये सवाल के जवाब में रोहित ने कहा, हम सब उनकी क्लास के बार में जानते हैं। 15 साल खेलने के बाद फॉर्म समस्या नहीं होती। शायद उन्होंने फाइनल के लिए अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन को बचाकर रखा हैं। हम एक टीम के रूप में प्रयास कर रहे हैं। फाइनल एक बड़ा अवसर है। स्वयं को शांत रखने से अच्छे फैसले लेने में मदद मिलती है। मुझे लगा कि आज हम एकदम स्थिर थे और घबराए नहीं। हम अपनी पूरा प्रयास करेंगे, टीम अच्छी स्थिति में है। मैं बस इतना उम्मीद कर सकता हूं कि हम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने टीम के प्रदर्शन पर कहा, एक टीम के रूप में हमने बहुत मेहनत की और सभी का शानदार प्रदर्शन रहा। हमने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया और यही आज की सबसे बड़ी चुनौती थी। अगर गेंदबाज और बल्लेबाज स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लें तो चीजें आसान हो जाती हैं। एक समय पर हमें ऐसा लगा रहा था कि इस पिच पर 140-150 का स्कोर भी सम्मानजनक स्कोर होगा।

कोपा कप : पनामा ने अमेरिका को हराकर ग्रुप-सी में अपनी उम्मीदें कायम रखीं

अमेरिका, 28 जून जोस फजार्डो के देर से किये गए गोल की बदौलत पनामा ने अमेरिका को गुरूवार रात 2-1 से हराकर कोपा-अमेरिका के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में 18वें मिनट में टूर्नामेंट के मेजबान को 10-पुरुषों तक सीमित कर दिया गया था जब टिमोथी वेह को रॉडरिक मिलर पर एक हिंसक चैलेंज के लिए सीधे लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस झटके के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालोगुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिन्होंने एंटोनी रॉबिन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं कोने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीज़र ब्लैकमैन ने 18-यार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से गोलकीपर मैट टर्नर को हराकर लगभग तुरंत ही बराबरी कर ली। पनामा ने गेंद पर लगभग 75 फीसदी कब्जे को नियंत्रित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक पास पूरे किए, जो पीछे बैठकर अपने विरोधियों पर पलटवार करने से संतुष्ट थे।

हालाँकि, मध्य अमेरिकी टीम के पास अन्य विचार थे, और फजार्डो ने अब्दील अयार्ज़ा के पास के बाद 12 गज की दूरी से गोल करके बढ़त दोगुनी कर दी। मैच में एक और मोड़ तब आया जब पनामा के एडलबर्टो कैरासक्विला ने समय से दो मिनट पहले क्रिश्चियन पुलिसिक को गिरा दिया, एक ऐसा अपराध जिसके कारण ह्यूस्टन डायनेमो के मिडफील्डर को सीधे लाल कार्ड मिला।

लेकिन पनामा ने देर से आए दबाव को झेलते हुए टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। थॉमस क्रिस्टियनसेन की टीम अब ग्रुप सी में तीसरे स्थान पर है, उसके अंक उरुग्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर हैं लेकिन गोल अंतर के कारण तीसरे स्थान पर है।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

टेक्सास, 28 जून। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी यूएस ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। गुरुवार को अमेरिका में टेक्सास के फोर्ट वर्थ कन्वेंशन सेंटर में खेले गये मुकाबले में त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद विश्व नंबर 83 सीह पेई शान और हंग एन-त्ज़ु को 16-21, 21-11, 21-19 से हराया।

भारतीय जोड़ी को 16 ऑफ राउंड के मुकाबले में अपने विरोधियों को हराने में 54 मिनट लगे। क्वार्टरफाइनल में त्रिशा-गायत्री का मुकाबला रुई हिरोकामी और जापान की युना काटो से होगा। वहीं प्रियांश राजावत भी चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को हराकर पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। प्रियांश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 35 मिनट में 21-18, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु का मुकाबला चीन के लेई लान शी से होगा। इस बीच, भारत की मालविका बंसोड़ ने दूसरे दौर में चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 15-21, 21-19, 21-14 से हराया।

रूपल चौधरी को एथलीट बनने के लिए करनी पड़ी थी भूख हड़ताल

अब पेरिस में दिखायेंगी दमखम

नई दिल्ली, 28 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ से आने वाली रूपल चौधरी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस युवा एथलीट के लिए यहां तक का सफर तय करना आसान नहीं था। रूपल को एथलेटिक्स को करियर बनाने के लिए पिता के सामने भूख हड़ताल तक करनी पड़ी थी। पश्चिमी यूपी के मेरठ से लगभग 15 किलोमीटर दूर जैनपुर गांव में लड़कियां नहीं दौड़ती हैं।

स्पोर्ट्स स्टार से बातचीत में रूपल के पिता ओमवीर चौधरी ने कहा, 'हमारा एक पारंपरिक गांव है।' ओमवीर गन्ना किसान हैं। रूपल ने साल 2016 में एथलेटिक्स को करियर बनाने का फैसला लिया। रूपल ने नेशनल फेडरेशन कप में प्रिया मोहन जैसी खिलाड़ी को पछाड़कर खूब सुर्खियां बटोरीं। रूपल चौधरी ने कहा, 'मैंने रियो ओलंपिक 2016 में पीवी सिंधु और साक्षी मलिक को पदक जीतते हुए देखा। इसके बाद मैंने भी एथलीट बनने का फैसला लिया। मैं यह नहीं जानती थी कि इसके लिए मुझे क्या करना होगा, लेकिन मैंने ये फैसला लिया।'

मेरठ में एक ही स्टेडियम है। लेकिन ओमवीर बेटी को वहां ले जाने के लिए राजी नहीं थे। बकौल रूपल, ' पहले वह (पिता) मुझे स्टेडियम ले जाने के लिए राजी हो गए। लेकिन बाद में वह कोई ना कोई बहाना करके टालने लगे। उन्हें संभवत: ऐसा लगा कि बाद में मैं अपना फैसला बदल लूंगी।'

राजधानी

जे.डी.ए. के तत्कालीन सचिव सहित अन्य के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-2 महानगर, प्रथम ने जेडीए ट्रिब्यूनल के आदेश की अनदेखी व फर्जीवाडा करने से जुडे मामले में जेडीए के तत्कालीन सचिव उज्ज्वल राठौड, मुख्य प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी, जोन 9 प्रवर्तन नियंत्रक धर्मसिंह व उप प्रवर्तन नियंत्रक राजेश शर्मा के खिलाफ गांधी नगर पुलिस थाने को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश एचएस अडवानी के परिवाद पर दिए।

अदालत ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोपियों ने जेडीए अपीलीय अधिकरण के आदेश की अवहेलना कर नए सिरे से दुर्गा कुमारी के अतिक्रमण को वैध घोषित करने के लिए कार्यालय टिप्पणियां तैयार की। इससे परिवादी के अधिकारों पर विपरीत प्रभाव पडने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

परिवाद में कहा कि उसे रेलवे मेन्स हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी की आनन्द विहार योजना में भूखंड संख्या-14 का पट्टा 19 जून 1994 को जारी किया था। वहीं उसकी खातेदारी से बाकी रही 2 बीघा 7 बिस्वा जमीन को 0.83 हैक्टेयर बताते हुए दुर्गादेवी ने पट्टा

- **अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-2 महानगर, प्रथम ने जेडीए ट्रिब्यूनल के आदेश की अनदेखी व फर्जीवाडा करने से जुड़े मामले में आदेश दिये**

मांगा। जबकि उसे 0.59 हैक्टेयर जमीन का ही पट्टा मिल सकता था, लेकिन दुर्गाकुमारी को गलत तरीके से पट्टा जारी करने का आदेश हो गया। इसके खिलाफ परिवादी ने जेडीए में शिकायत की, लेकिन उसकी शिकायत के बाद भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

वहीं जेडीए के अफसरों ने मिलीभगत कर एक फर्जी रिपोर्ट बनाई जिसमें अतिक्रमण नहीं होना बताया। इसके खिलाफ परिवाद दायर कर जेडीए के तत्कालीन अफसरों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आग्रह किया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

72 घंटे पहले नोटिस दिए बिना होटल बिल्डिंग पर नहीं करें कार्रवाई : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं कि दिल्ली रोड पर स्थित कान्हा होटल पर कार्रवाई से 72 घंटे पहले नोटिस दिए बिना उसकी बिल्डिंग पर कोई कार्रवाई नहीं करे। जस्टिस अशोक जैन की अवकाशकालीन एकलपीठ ने यह आदेश कान्हा होटल्स की ओर से दायर याचिका में पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि इस मामले में नियमित कोर्ट की ओर से विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। ऐसे में यह उचित नहीं है कि अवकाशकालीन कोर्ट प्रकरण के किसी पहलू पर विचार करे। अदालत ने कहा कि समाचार पत्र मे प्रकाशित समाचार के आधार पर होटल की बिल्डिंग को तोडने की आशंका मात्र पर यह प्रार्थना पत्र दायर किया गया है।

केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल आरडी रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 2018 से वर्ष 2022 तक कूकस के पास पांच सितारा होटल का निर्माण कर उसे ताज होटल्स को लीज पर दे दिया। याचिकाकर्ता ने जेडीए से वर्ष 2011 में नक्शे पास कराए थे, लेकिन तय अवधि में निर्माण आरंभ नहीं किया गया। होटल नाहरगढ वन्य जीव अभ्यारण्य से सिर्फ 95 मीटर दूर है। जबकि इससे एक किमी में इस तरह की गतिविधि नहीं हो सकती। ऐसे निर्माण के लिए पर्यावरण स्वीकृति लेनी होती है, लेकिन याचिकाकर्ता ने स्वीकृति नहीं ली। याचिकाकर्ता ने गत वर्ष राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड के स्वीकृति लेने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया। जिसे बोर्ड ने गत 22 फरवरी को खारिज कर दिया। इसके बाद गत दिनों ईको सेन्सेटिव जोन की मॉनिटरिंग कमेटी ने इसे तोडने के लिए जेडीए को लिखा। एएसजी ने कहा कि याचिकाकर्ता ने ऐसा आदेश पेश नहीं, जिससे साबित हो की जेडीए होटल तोडने जा रहा है और जेडीए का पक्षकार भी नहीं बनाया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने होटल पर कार्रवाई से 72 घंटे पूर्व नोटिस देने को कहा है।

उपमुख्यमंत्री से वार्ता के बाद परिवहन निरीक्षक संघ की हड़ताल समाप्त

उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शुक्रवार को परिवहन निरीक्षक संघ ने मुलाक़ात की।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शुक्रवार को मुलाक़ात के बाद परिवहन निरीक्षक संघ की हड़ताल ख़त्म हुई। जिसके बाद सोमवार से परिवहन निरीक्षक काम पर लौट सकेंगे।

डॉ बैरवा ने अपने निवास पर परिवहन निरीक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर वार्ता की जिसके परिणामस्वरूप निरीक्षक संघ ने हड़ताल ख़त्म करने का निर्णय लिया। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदेश के हर एक कर्मचारी के हितों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उच्च मनोबल के साथ प्रदेश हित में कार्य करें। उन्होंने परिवहन निरीक्षक के साथ मारपीट मामले में सक्षम स्तर पर वार्ता कर दोषियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया ताकि भविष्य में इस तरह के कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोका जा सकें।

उपमुख्यमंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों से विभाग में निरीक्षकों की उच्च पदों पर पदौनिति के अवसरों की माँग पर भी सकारात्मक चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने सभी माँगो पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। परिवहन निरीक्षक संघ ने उपमुख्यमंत्री की इस पहल और उनके सकारात्मक रूख के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया।

इस मौके पर राजस्थान परिवहन संघ के अध्यक्ष राजेश चौधरी, महासचिव अनिल बसवाल सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्पीकर वासुदेव देवनानी की लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित केन्द्रीय मंत्रियों से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने सभी को उनके नए कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी लोकसभा अध्यक्षओम बिरला से संसद भवन में मिले। वहां उन्होंने बिरला को गुलदस्ता भेंट करते हुए लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने पर बधाई दी।देवनानी ने कहा है कि बिरला का लोकसभा में लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर राजस्थान प्रदेशवासियों का मान और गौरव बढा है। पूरे देश में राजस्थान प्रदेश के लिये यह सम्मानजनक है।

देवनानी ने केन्द्रीय सड़क व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)अर्जुन राम मेघवाल से भेंट कर उन्हें बधाई दी। केन्द्रीय मंत्रीगण सेदेवनानी की यह शिष्टाचार भेंट थीं। देवनानी ने सभी को पुष्पगुच्छ और कालजयी भारतीय ज्ञान तथा विश्व गुरु भारत पुस्तकें भेंट कर उन्हें नए दायित्वों के उत्कृष्ट निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

मतदान दिवस पर रहेगा सवैतनिक अवकाश

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 30 जून को जयपुर जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के रिक्त पदों के लिए उपचुनाव होंगें। जिला निर्वाचन अधिकारी, जयपुर ग्रामीण प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनाव के लिये मतदान दिवस को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कार्यालयों में पराक्राम्य लिखित अधिनियम 1881 के तहत मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में जयपुर के 1276 अभ्यर्थी लेंगे भाग

जयपुर। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत 29 जून को जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद करेंगे। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल को प्रभारी अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) अल्का विश्नोई को सह प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही जिला कलक्टर ने आवश्यक व्यवस्थाएं एवं इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण के 1500 से ज्यादा नवनियुक्त कार्मिक शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि जयपुर जिले में नियुक्ति पाने वाले 1276 एवं जयपुर ग्रामीण जिले में नियुक्ति प्राप्त करने वाले 230 सहित दोनों जिलों के 1506 नवनियुक्त कार्मिक राज्य स्तरीय समारोह के साक्षी बनेंगे।

येदियुरप्पा के खिलाफ नाबालिग से रेप मामले में चार्जशीट दाखिल हुई

बैंगलुरु, 28 जून। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। मामले की जांच कर रही सी.आई.डी. ने आरोपपत्र में कहा कि भाजपा नेता और 3 अन्य आरोपियों ने पीड़िता और उसकी मां को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

81 वर्षीय येदियुरप्पा पर यौन

- चार्जशीट में नाबालिग से जबरदस्ती करने व पैसों का लालच देकर पीड़िता को चुप रहने एवं डराने धमकाने के आरोप लगाये गये हैं।

अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 8 (यौन उत्पीड़न के लिए सजा), भारतीय दंड संहिता की धारा (यौन उत्पीड़न), 204 (साक्ष्य के रूप में दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को नष्ट करने) और 214 (अपराधी की जांच के बदले में उपहार की पेशकश) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

दिल्ली एन.सी.आर. मानसून पूर्व बारिश में जलमग्न हुआ

भारी बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिरने से 6 लोग घायल हुये

- सूत्रों के अनुसार टर्मिनल की छत गिरने से वहां खड़ी टैक्सियां व कारें इसकी चपेट में आ गईं तथा उनमें बैठे छः लोग घायल हो गये। राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है।
- नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि, वे खुद हालात पर निगरानी रखे हुये हैं।
- दिल्ली एन.सी.आर. में गुरुवार को प्री मानसून बारिश शुरु हुई, रात भर बारिश होने से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में पानी भर गया।

नई दिल्ली, 28 जून (वार्ता)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गुरुवार देर रात से हो रही बारिश के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल-1 की छत गिर गई, जिसकी चपेट में कई टैक्सियां और कारें आ गईं और इनमें बैठे छह लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार को तड़के पांच बजे घटित हुयी। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। दमकल सेवा के अधिकारियों ने बताया कि टर्मिनल-1 की छत की शीट के अलावा सपोर्ट बीम भी ढह गया है। इससे टर्मिनल के पिक-अप और ड्रॉप एरिया में खड़ी कारों को नुकसान पहुंचा। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हवाई अड्डा पर दमकल की तीन गाड़ियां मौजूद हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर लिखा, "मैं निजी तौर पर हालात पर नजर रख रहा हूं। सभी एयरलाइंस को टर्मिनल-1 पर प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी गई है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव टीमें काम कर रही हैं। बचाव अभियान अभी भी जारी है।"

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को मानसून पूर्व की पहली बारिश हुई। लगातार हो रही बारिश के कारण रातभर में दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया, जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय राजधानी में कुछ जगहों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। दिल्ली में मिंटो रोड पर भारी जलजमाव के बीच एक गाड़ी पूरी तरह डूब गई है। इसके अलावा के शांति पथ सहित विभिन्न इलाकों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया है।

मानसून ने गुरुवार (27 जून) को उत्तर भारत के तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में दस्तक दी। मानसून ने गुरुवार को उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पंजाब के कुछ हिस्सों को कवर कर लिया। गौरतलब है कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून 11 जून से ही पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में रुका हुआ था।

दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में मानसून 27 से 30 जून तक एंट्री ले सकता है।

मानसून तीन जुलाई तक दिल्ली को पूरी तरह कवर कर लेगा। मौसम विभाग के अनुसार पांच से आठ जुलाई तक हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान पूरी तरह कवर हो जाएंगे।

'खड़गे के आचरण ने संसदीय मर्यादा को दाग लगा दिया है'

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, मैं पीड़ित हूं और दुखी हूं कि नेता प्रतिपक्ष खुद वैल में आ गए, आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ

- सदन की कार्यवाही के दौरान सभापति धनखड़ ने सदन में चल रहे हंगामे के दौरान बेहद नाराज़ लहजे में कहा कि, "आप तो एक प्रकार से नाच रहे हैं, क्या ऐसा होना चाहिए?"

नई दिल्ली, 28 जून। राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों द्वारा नीट-यूजी परीक्षा के पेपर लीक मामले में सरकार को घेरते हुए हंगामा किए जाने के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे स्वयं आसन के समक्ष आ गए जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संसदीय इतिहास में आज का दिन दागी हो गया है। मैं पीड़ित हूं और दुखी हूं कि नेता प्रतिपक्ष खुद वेल में आ गए। आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ।

सभापति ने यह टिप्पणी उस समय की जब विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की 'नाकामी' और पेपर लीक से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी सदस्य आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद से ही चर्चा कराने की मांग पर हंगामा कर रहे थे।

हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब आधे घंटे के भीतर दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद बैठक दोबारा शुरू होने पर भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पर अपनी बात को आगे बढ़ाया।

त्रिवेदी के भाषण के बीच ही सदन के नेता जे पी नड्डा ने चर्चा में व्यवधान को लेकर विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधा।

नड्डा की बात खत्म होते ही सभापति धनखड़ ने कहा, 'आज का दिन भारतीय संसद के इतिहास में इतना दागी हो गया है कि प्रतिपक्ष के नेता स्वयं आसन के समक्ष आए हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा कभी नहीं हुआ है। मैं पीड़ित हूं। मैं अचंभित हूं। भारतीय संसदीय परंपरा इतनी गिर जाएगी कि प्रतिपक्ष के नेता आसन के समक्ष आएंगे, उप नेता (विपक्ष के) आसन के समक्ष आएंगे।' इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सदन के नेता नड्डा ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा में विपक्ष द्वारा उत्पन्न किए जा रहे व्यवधान की ओर संकेत करते हुए कहा कि बृहस्पतिवार को सदन की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह तय हुआ था कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद ज्ञापन पर चर्चा के लिए 21 घंटे आवंटित किए जाएं। उन्होंने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस के उप नेता और तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल थे।

उन्होंने कहा कि यह अपने आप में रिकार्ड है क्योंकि इससे पहले इस चर्चा के लिए कभी 21 घंटे आवंटित नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि बैठक में सहमति होने के बावजूद आज सबेरे कार्यस्थगन का प्रस्ताव लाया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने कहा कि ऐसा नहीं है कि पहले नीट का मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा कि नीट का मुद्दा कार्य मंत्रणा समिति में उठाया जा सकता था किंतु उनकी (विपक्षी नेताओं की) मंशा नहीं थी, उनकी मंशा सदन को बाधित करने की थी।

नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस बात को लेकर प्रतिबद्ध थी कि उसे चर्चा में भाग नहीं लेना है। उन्होंने कहा, 'वे पहले ही तय कर चुके थे, वे पहले से ही कृत संकल्पित थे इसलिए (चर्चा में भाग लेने वाले) वक्ताओं की सूची में किसी कांग्रेस नेता का नाम नहीं है। यह दर्शाता है कि वे चर्चा को लेकर गंभीर नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर होने वाली 21 घंटे की चर्चा के दौरान विपक्ष के पास इस बात का पूरा अवसर है कि वे नीट के मुद्दे को उठाकर अपनी पूरी बात रखें।

उन्होंने कहा कि सरकार उनका जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है और जवाब दिया भी जाएगा।

हंगामे के दौरान आसन के समक्ष आकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों में से एक की ओर इशारा करते सभापति ने कहा, 'आप तो एक प्रकार से नाच रहे हैं। क्या ऐसा होना चाहिए?' उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सदस्य एवं पत्रकार सागरिका घोष का नाम लेते हुए कहा, 'आप हर सप्ताह स्तंभ लिखती हैं, क्या आप जीवन भर यही चाहती थीं।'

शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गनाइजेशन की बैठक में शामिल नहीं होंगे प्र.मंत्री मोदी

कज़ाकस्तान में होने वाली इस बैठक में शामिल होने विदेश मंत्री एस. जयशंकर जायेंगे

- एस.सी.ओ. में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकस्तान, किर्गिस्तान, ताजीकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं।

नई दिल्ली, 28 जून। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अगले सप्ताह होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं जाएंगे। अब भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एससीओ शिखर सम्मेलन तीन और चार जुलाई को होगा और इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा हालात और संपर्क एवं व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर मुख्य रूप से चर्चा होने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, "एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर करेंगे।" शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान में हालात, यूक्रेन में जारी युद्ध और एससीओ सदस्य देशों के बीच समग्र सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

एससीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजीकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। यह एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है, जो सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के तौर पर उभरा है। एससीओ शिखर सम्मेलन में आमतौर पर भारत की ओर से प्रधानमंत्री हिस्सा लेते हैं।

एससीओ शिखर सम्मेलन के मेजबान देश कजाखिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्त तोकायेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टेलीफोन करके एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अस्ताना आमंत्रित किया था। उन्होंने दुनिया में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सफल संचालन और ऐतिहासिक तौर पर तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री निर्वाचित होने पर मोदी को बधाई भी दी थी।

बारिश का पानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को निकालने की कोई जगह नहीं बची है।" थरूर ने मजाकिया तरीके से ट्वीट में आगे कहा, "मैंने अपने संसद के साथियों को बताया कि मैं नाव के बिना वहां नहीं पहुंच पाऊंगा। लेकिन शहर में सड़कों से पानी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली गई और मैं समय पर संसद पहुंच गया!"

दिल्ली में शुक्रवार की सुबह भारी बारिश के बीच कई इलाकों में जलभराव हो गया, इस दौरान शहर के मुख्य इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होने के साथ यातायात बाधित हो गया। शहर के विभिन्न स्थानों से आ रहीं तस्वीरों के अनुसार कई इलाको में जल भराव से लंबा जाम लग गया है। इस दौरान विशेषकर कार्यालय समेत अपने कार्यस्थल जाने वाले लोगों समेत अन्य यात्रियों को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में जलमग्न सड़कों पर यात्रियों को अपने बच्चों को लेकर घुटनों तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। कुछ इलाकों में मेट्रो स्टेशनों में भी पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। पुलिस के अनुसार जलभराव के कारण अणुव्रत मार्ग पर लाल बत्ती के दोनों ओर 100 मीटर और लाडो सराय लाल बत्ती से दोनों तरफ यातायात प्रभावित है। रिंग रोड पर धौला कुआं फ्लाईओवर के नीचे नारायणा से मोती बाग की ओर दोनों दिशाओं पर यातायात धीमा है। आजाद मार्केट अंडरपास में वीर बंदा बैरागी मार्ग पर यातायात प्रभावित है।

'पशु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिटायरमैंट उम्र साठ साल से बढ़ाकर 62 साल की गई है तो फिर पशु चिकित्सकों को साठ साल की उम्र में ही क्यों रिटायर किया जा रहा है।

याचिका में बताया गया कि राज्य सरकार ने एम.बी.बी.एस. डॉक्टर्स की रिटायरमैंट आयु 60 साल से बढ़ाकर 62 साल कर दी है, लेकिन पशु चिकित्सकों की रिटायरमैंट आयु को नहीं बढ़ाया गया है और उन्हें 60 साल में ही रिटायर किया जा रहा है। जबकि केन्द्र व राज्य सरकार ने पशु चिकित्सकों को भी अपनी सेवाओं में हर तरह से समान रखा गया है। ऐसे में पशु चिकित्सकों की रिटायरमेंट आयु नहीं बढ़ाना गलत है।

टैलिकॉम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पोर्टफोलियो को बदल दिया गया है।

जियो ने अपने प्लान्स की कीमतों में 27 परसेंट तक की बढ़ोतरी की है। इस मौके पर जियो के चेयरमैन, आकाश अंबानी ने कहा, नए प्लान्स की शुरुआत इंडस्ट्री इनोवेशन को आगे बढ़ाने और 5 जी और ए.आई. टैक्नोलॉजी में निवेश के जरिए विकास को आगे बढाने की दिशा में एक कदम है।

जियो ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, अनलिमिटेड 5जी सर्विस 2 जीबी और उससे ऊपर वाले सभी प्लान्स में मिलेगी। नए प्लान्स की कीमत 3 जुलाई 2024 से लागू होगी। इन्हें सभी टचपॉइंट और चैनल्स से एक्सेस किया जा सकेगा। जियो के साथ ही एयरटेल ने भी अपने रिचार्ज प्लान्स की कीमतों में इजाफा कर दिया है। कंपनी का कहना है कि भारत में एक बेहतर टेलीकॉम बिजनेस चलाने के लिए कंपनी का 300 ए.आर.पी.यू. रुपये से ऊपर होना चाहिए। यानी एवरेज रेवेन्यू पर यूजर, कंज्यूमर्स से होने वाली औसत कमाई है।

एयरटेल का कहना है कि, उन्होंने प्लान्स की कीमतों में बढ़तोतरी को कम से कम रखने की कोशिश की है. एंट्री लेवल प्लान्स की कीमतों में 70 पैसे प्रतिदिन से भी कम दर पर इजाफा किया गया है।

अंततोगत्वा 5 महीने बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ वकील अरुणाभ चौधरी ने मीडिया से कहा कि "कोर्ट ने माना है कि वे प्रथम दृष्टया इस अपराध में दोषी नहीं है और ऐसी भी कोई संभावना नहीं है कि याचिकाकर्ता जब जमानत पर होगा तो कोई अपराध करेगा।"

प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को 31 जनवरी को मनी लॉन्डरिंग केस से जुड़ी जाँच के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार के बाद से 48 वर्षीय राजनीतिज्ञ रांची की बिरसा मुण्डा जेल में बंद थे।

कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) का प्रतिनिधित्व कर रहे एस.वी. राजू ने यह कहते हुए सोरेन की जमानत याचिका पर आपत्ति प्रकट की थी कि सोरेन एक प्रभावशाली व्यक्ति है और वो पहले भी प्रदेश की सरकारी मशीनरी का प्रयोग करके स्वयं को बचाने की कोशिश कर चुके है। "यदि जमानत दी गई तो वे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके चल रही जाँच में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करेंगे।"

राजू ने अपनी दलील में कहा कि सोरेन की योजना झारखंड के बारगैन स्थान पर एक बैंक्वेट हॉल बनाने की थी और उनके भवन निर्माण वास्तुकार मित्र विनोद सिंह ने उनको मोबाइल के माध्यम से उसका नक्शा भेजना था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सर्वे के दौरान, सिंह ने बारगैन की उस भूमि को भी पहचाना था और अपने बयान में सिंह ने स्वीकार किया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यालय से निर्देश मिलने पर जमीन का विवरण उपलब्ध कराया था।

सुप्रीम कोर्ट के वकील कपिल सिब्बल एवं मिनाक्षी अरोड़ा ने भी सोरेन के केस की पैरवी की थी कहा कि मनी लॉन्डरिंग का कोई केस नहीं था बल्कि यह एक "राजनीतिक प्रतिशोध" था। यह केन्द्र सरकार के द्वारा ई.डी. का दुरुपयोग करते हुए एक दुर्भावनापूर्ण कार्यवाही है।"

झारखंड में विधानसभा के चुनाव इस वर्ष नवम्बर-दिसम्बर माह में हो सकते हैं और जे.एम.एम. चुनावी मैदान में इंडिया गठबंधन के एक सहयोगी दल के रूप में उतरेगी। सोरेन, जिन्हें जनता "पीड़ित" के तौर पर देख रही है, इससे जे.एम.एम. को "सहानुभूति" का लाभ मिलेगा।

एकलपट्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एकल पट्टों से जुड़े प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

विधानसभा चुनाव में स्टालिन का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी ने मुख्यमंत्री बनकर स्वयं को एक सफल प्रशासक एवं राजनेता सिद्ध किया। तमिलनाडू के पांच मुख्यमंत्रियों की फिल्म जगत से सम्बद्धता रही है और विजय भी अपना भाग्य आजमाने की कोशिश कर रहे हैं।

विजय, पिछले वर्ष के फरवरी माह में पहले ही "तमिलागा वेट्टरि कषगम" (टी.वी.के.) नामक एक राजनीतिक पार्टी का गठन कर चुके हैं और चेन्नई में आयोजित छात्रों के एक सार्वजनिक अभिनन्दन कार्यक्रम में उन्होंने अपनी पार्टी के अध्यक्ष के रूप में द्रमुक सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि "हमें अच्छे नेताओं की जरूरत है। नेताओं से मेरा तात्पर्य राजनीतिक नेताओं से नहीं है, बल्कि ऐसे व्यक्तियों से हैं जिनमें नेतृत्व के गुण हों।"

वास्तव में, उन्होंने यह कहा कि "ना केवल राजनीति बल्कि हर क्षेत्र में अच्छे नेताओं की जरूरत है, लेकिन फिल्मों के क्रेज़ी इस राज्य के लोग उनके इस बयान की व्याख्या चुनावी राजनीति में कूदने के एक अगले कदम के रूप में कर रहे है।"

उनकी एंट्री तमिलनाडू की राजनीति में निश्चित रूप से भूचाल लाएगी क्योंकि वे युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं और जाति एवं पंथ से परे उनको एक अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। युवाओं को उनके परामर्श कि वे राजनीति की एक करियर बनाने पर विचार करें, का उनके फैंस व सपोर्टर्स स्वागत कर रहे हैं।

उन्होंने छात्रों से कहा कि वे उन्हें प्राप्त होने वाली किसी भी जानकारी के प्रत्येक पहलू को क्रॉस चैक करें। उन्होंने छात्रों को सोशल मीडिया चैनल्स और मुख्यधारा के मीडिया को लेकर भी सतर्क किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे हर चीज़ देखें, किन्तु उचित सावधानी और तथ्यान्वेषण से यह विश्लेषण जरूर करें कि क्या सही है और क्या गलत। उन्होंने जनता की राय को आकार देने में सही जानकारी के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि "तथ्यों और खबरों की जाँच से ही जनता यह समझ पाएगी कि देश वास्तव में किन मुद्दों से जुझ रहा है।"

अभिनय से राजनीति के क्षेत्र में कदम रखने जा रहे विजय ने तमिलनाडू की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की बढ़ती चिन्ता का विषय युवाओं में नशे की लत है।

विजय ने इस संबंध में किसी को भी संशय में नहीं रखा कि वे अब स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि का मुकाबला करेंगे। उन्होंने कहा कि "वर्तमान में तमिलनाडू के युवा नशीले पदार्थों का सेवन करने लगे हैं और मैं भी एक राजनेता एवं अभिभावक के रूप में इससे भयभीत हूं। हम कह सकते हैं कि नशीले पदार्थों को नियंत्रित करना सरकार की जिम्मेदारी है, युवाओं का संरक्षण सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान सरकार ऐसा करने में विफल रही है।"

दो राजनैतिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है, उनकी सत्ता में बने रहने की रणनीति काफी सशक्त है। जब पिछली बार जे.डी.यू. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी तब लल्लन सिंह को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था उसका प्रभार कुमार ने स्वयं ले लिया था।

उसके कुछ समय बाद ही कुमार ने इसी वर्ष जनवरी में एन.डी.ए. में पुनः शामिल होने की घोषणा की थी। यह संभव है और संभावना भी है कि कुमार कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कोई बड़ा राजनीतिक बयान दे सकते हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908